रक्षा बंधन की शुभकामनाएँ

दैनिक कारखाने का सफर

वर्ष 6, अंक 28 | भोपाल, शनिवार 9 अगस्त, 2025 | श्रावण शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, 2082 | मूल्य 2 रुपए

सीतामढ़ी में अमित शाह ने रखी भव्य जानकी मंदिर की आधारशिला, अयोध्या की तर्ज पर होगा निर्माण

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के सीतामढ़ी जिले के पुनौराधाम स्थित जानकी मंदिर के पुनर्विकास की आधारशिला रही जिसे देवी सीता की जन्मस्थली माना जाता है। 882.87 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली इस परियोजना के शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कई केंद्रीय मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। अमित शाह ने सबसे पहले देवी सीता के मंदिर में पूजा की। राज्य मंत्रिमंडल ने 1 जुलाई को मंदिर परिसर के एकीकृत विकास के लिए 882.87 करोड़ रुपये स्वी

कुल राशि में से 137 करोड़ रुपये पुराने मंदिर और उसके परिसर के विकास पर खर्च किए जाएँगे, जबकि 728 करोड़ रुपये पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर खर्च किए जाएँगे। इसके अलावा, 10 वर्षों तक व्यापक रखरखाव पर 16 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) इस परियोजना का क्रियान्वयन करेगा। राज्य सरकार ने हाल ही में मंदिर के निर्माण और पुनर्विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय ट्रस्ट का गठन किया है। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, भाजपा, जद(यू) और लोजपा वाला राजग एक बार फिर बिहार में अपनी सत्ता बरकरार रखने की कोशिश करेगा, और राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों वाला भारत ब्लॉक, नीतीश कुमार को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश करेगा। 243 सदस्यों वाली वर्तमान बिहार विधानसभा में, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के 131 सदस्य हैं, जिनमें भाजपा के 80 विधायक, जद(यू) के 45, हम(एस) के 4 और 2 निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन है। बिहार में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में, अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है। हालाँकि, भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आधिकारिक तारीख की घोषणा नहीं की है।

समाचार संपादक की कलम से
–राहुल कौशिक

BRICS बनाम G7: विश्व आर्थिक विकास में बढ़ता शक्ति संतुलन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के बदलते परिदृश्य में आने वाले वर्षों में शक्ति संतुलन में बड़ा परिवर्तन देखने को मिल सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की अप्रैल 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 से 2029 के बीच वैश्विक आर्थिक विकास में BRICS देशों का योगदान 44.3% रहने का अनुमान है, जबकि पारंपरिक रूप से मजबूत माने जाने वाले G7 देशों का योगदान केवल 20.1% रहेगा। यह आंकड़े स्पष्ट संकेत देते हैं कि विश्व अर्थव्यवस्था का केंद्र एशिया और उभरते बाजारों की ओर तेजी से खिसक रहा है।

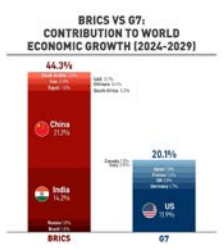

BRICS की मजबूती:
BRICS समूह — जिसमें ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सऊदी अरब, यूएई, ईरान, मिस्र और इथियोपिया शामिल हैं — विश्व आर्थिक विकास में सबसे बड़ा योगदान देने वाले देशों के रूप में उभर रहे हैं।

चीन अकेले 21.2% योगदान के साथ सबसे ऊपर है।

भारत 14.2% के साथ दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है, जो इसकी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और जनसंख्या के कारण संभव हुआ है।

रूस और ब्राज़ील दोनों का योगदान 1.8% है, जबकि सऊदी अरब और मिस्र का योगदान 1.5% है।

अन्य सदस्य जैसे ईरान, यूएई, इथियोपिया और दक्षिण अफ्रीका का योगदान क्रमशः 0.9%, 0.7%, 0.4% और 0.3% है।

ये आंकड़े बताते हैं कि BRICS देशों का सामूहिक प्रभाव न केवल ऊर्जा, व्यापार और निवेश में बल्कि वैश्विक विकास दर में भी निर्णायक होता जा रहा है।

G7 की स्थिति :
दूसरी ओर, G7 — जिसमें अमेरिका, जापान, जर्मनी, यूके, फ्रांस, इटली और कनाडा शामिल हैं — का सामूहिक योगदान 20.1% तक सीमित रहने का अनुमान है।

अमेरिका का योगदान 11.9% है, जो समूह में सबसे ज्यादा है, लेकिन यह चीन और भारत की संयुक्त हिस्सेदारी के मुकाबले काफी कम है।

जापान 1.8%, जर्मनी 1.7%, यूके 1.5% और फ्रांस 1.4% योगदान देते हैं।

इटली और कनाडा का योगदान क्रमशः 0.8% और 1% है।

बदलते समीकरणों के मायने :
इन आंकड़ों से साफ है कि आर्थिक विकास का नेतृत्व अब पश्चिमी देशों से हटकर एशियाई और विकासशील देशों के हाथ में जा रहा है। इसका सीधा असर वैश्विक राजनीति, निवेश पैटर्न, व्यापार नीतियों और मुद्रा बाजार पर पड़ सकता है।

चीन और भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था उन्हें न केवल उत्पादन और निर्यात के क्षेत्र में बल्कि नवाचार, तकनीक और निवेश के क्षेत्र में भी अग्रणी बना रही है।

ऊर्जा संसाधनों से भरपूर सऊदी अरब, रूस और यूएई जैसे देश भी BRICS के आर्थिक प्रभाव को और मजबूत कर रहे हैं।

निष्कर्ष :
BRICS बनाम G7 की यह तुलना केवल आर्थिक आंकड़ों की लड़ाई नहीं है, बल्कि यह आने वाले समय की भू-राजनीतिक और आर्थिक संरचना की झलक भी देती है। अगर मौजूदा रुझान जारी रहते हैं, तो 2030 तक BRICS न केवल वैश्विक आर्थिक विकास में बल्कि वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया में भी प्रमुख भूमिका निभा सकता है।

भारत ने बंद किया रूस से तेल लेना तो बढ़ जाएगा खर्च : एसबीआई

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

एसबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगर भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद कर देता है, तो उसका तेल आयात बिल बढ़कर 12 अरब अमेरिकी डॉलर हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अगर सरकार वित्त वर्ष 2025-26 की शेष अवधि के लिए रूस से तेल आयात बंद कर देती है, तो कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्त वर्ष 2026 में ईंधन बिल 9 अरब अमेरिकी डॉलर और वित्त वर्ष 2027 में 11.7 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़ने की उम्मीद है। एसबीआई ने कहा कि अगर भारत वित्त वर्ष 2026 की शेष अवधि के दौरान रूस से तेल आयात बंद कर देता है, तो भारत का ईंधन बिल केवल 9 अरब अमेरिकी डॉलर बढ़ सकता है। अगर सभी देश रूस से तेल खरीदना बंद कर दें, बशर्ते कोई अन्य देश अपना उत्पादन न बढ़ाए, तो कच्चे तेल की कीमतें 10 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं। यूक्रेन पर आक्रमण के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, भारत ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 2022 से रूसी तेल की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि की है। रूस कच्चे तेल को छूट पर बेच रहा था और उसने इसकी कीमत 60 डॉलर प्रति बैरल तय की थी। वित्त वर्ष 2020 में, भारत के कुल तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी केवल 1.7 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2025 में यह बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गई, जिससे रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। मात्रा के लिहाज से, भारत ने वित्त वर्ष 2025 में रूस से 88 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कच्चा तेल आयात किया, जो उसके कुल तेल आयात 245 MMT में से था। यूक्रेन युद्ध से पहले, इराक भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता था, उसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का स्थान था।

टैक्स बिल 2025 वापस, सोमवार को पेश किया जाएगा नया विधेयक

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 वापस ले लिया। नया आयकर विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। आयकर विधेयक, 2025 को आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के लिए लाया गया था। सरकार ने 13 फरवरी, 2025 को यह विधेयक पेश किया था। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी। सदन की मंजूरी के बाद उन्होंने आयकर विधेयक वापस ले लिया। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया, "बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति द्वारा की गई अधिकांश सिफारिशों को शामिल करते हुए आयकर विधेयक का नया संस्करण सोमवार, 11 अगस्त को पेश किया जाएगा।" उन्होंने आगे कहा कि विधेयक के विभिन्न संस्करणों से भ्रम की स्थिति से बचने और सभी बदलावों को शामिल करते हुए एक स्पष्ट और अद्यतन संस्करण प्रदान करने के लिए, आयकर विधेयक का नया संस्करण सोमवार को सदन में विचार के लिए पेश किया जाएगा। फरवरी में सदन में पेश किये जाने के बाद विधेयक को तुरंत ही अवलोकन के लिए प्रवर समिति को भेज दिया गया था। संसद के मौजूदा मानसून सत्र के पहले दिन, 21 जुलाई को, नए आयकर विधेयक पर संसदीय पैनल की रिपोर्ट लोकसभा में पेश की गई। अपनी रिपोर्ट में, पैनल ने परिभाषाओं को सख्त बनाने, अस्पष्टताओं को दूर करने और नए कानून को मौजूदा ढाँचों के अनुरूप बनाने के लिए महत्वपूर्ण बदलावों का सुझाव दिया है। समिति ने नए कानून में धार्मिक-सह-परमार्थ ट्रस्टों को दिए गए गुप्त चंदे पर कर छूट जारी रखने का भी समर्थन किया, साथ ही सुझाव दिया कि करदाताओं को बिना किसी दंडात्मक शुल्क का भुगतान किए, आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि के बाद भी टीडीएस रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसे भी पढ़ें: Sansad Diary: SIR पर जारी है विपक्ष का हंगामा, लोकसभा में मणिपुर संबंधित दो बिल पास नए विधेयक में सरकार ने गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) को विशुद्ध रूप से धार्मिक ट्रस्टों द्वारा प्राप्त गुप्त चंदे पर कर लगाने से छूट दी है। हालांकि, किसी ऐसे धार्मिक ट्रस्ट द्वारा प्राप्त दान, जो अस्पताल और शिक्षण संस्थान संचालित करने जैसे अन्य धर्मार्थ कार्य भी करते हों, पर विधेयक के तहत कानून के अनुसार कर लगाया जाएगा।

मनोज तिवारी ने नरेंद्र मोदी को भेंट किया बाबा बैद्यनाथ धाम का प्रसाद

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी ने शुक्रवार को एक भावुक कर देने वाला अनुभव साझा किया, जहाँ उन्होंने अपनी पत्नी सुरभि और अपनी साढ़े चार साल की बेटी सांविका के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री को झारखंड के देवघर स्थित भगवान शिव के भक्तों द्वारा पूजनीय बाबा बैद्यनाथ धाम से एक प्रसाद का पेंढ़ा भेंट किया। यह प्रसाद, एक पवित्र भेंट, उन सभी नंगे पाँव कांवड़ियों की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को भेंट किया गया, जो गंगा नदी से पवित्र जल लेने के लिए कांवड़ यात्रा पर जाते हैं। प्रसाद ग्रहण करने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने भगवान शिव के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए हर हर महादेव का जाप किया। वे प्रसन्न दिखे और कांवड़ यात्रा और कांवड़ियों का हालचाल पूछा। तिवारी ने एक्स पर पोस्ट किया, "सभी नंगे पांव कांवरियों की ओर से हमने आज दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, मानवता और शांति के प्रबल समर्थक, भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बाबा बैद्यनाथ धाम का प्रसाद पेंडा भेंट किया।" उन्होंने लिखा कि बाबा वैद्यनाथ धाम का प्रसाद पाते ही प्रधानमंत्री जी ने हर हर महादेव उच्चारित किया और बहुत प्रसन्न दिखे। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने मेरे साथ साथ बाबा धाम की कांवड यात्रा व कांवडियों का भी हालचाल जाना। मेरे साथ हमारी धर्मपत्नी सुरभि भी रहीं।साथ ही हमने 4.5 वर्षीय बेटी सान्विका की बनाई एक पेंटिंग भी भेंट की। सावन का आखिरी सोमवार 4 अगस्त को था, जिसके साथ कांवड़ भक्तों ने अपनी वार्षिक कांवड़ यात्रा पहले ही पूरी कर ली थी। सावन शिवरात्रि पर 'जलाभिषेक' की रस्म निभाने के लिए विभिन्न शिव मंदिरों में यह तीर्थयात्रा अपने अंतिम चरण में पहुँच गई, जिसमें करोड़ों लोग 15 दिनों के भीतर हरिद्वार से गंगा नदी से जल लेकर आए। श्रावण (या सावन) का हिंदू पौराणिक कथाओं में बहुत महत्व है। ऐसा माना जाता है कि श्रावण मास भगवान शिव का सबसे प्रिय महीना है। इस महीने में शिव की पूजा करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।

रजिस्टर्ड पोस्ट बंद नहीं की गई है, भारतीय डाक ने जारी किया फैक्ट चेक

दैनिक कारखाने का सफर. एजेंसी नई दिल्ली । भारतीय डाक ने मीडिया के एक खास वर्ग द्वारा चलाई जा रही उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें दावा किया गया था कि बेहद लोकप्रिय सेवा, पंजीकृत डाक, 1 सितंबर, 2025 से बंद हो रही है। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक तथ्य जांच में, डाक विभाग ने कहा कि पंजीकृत डाक को बंद नहीं किया गया है और वास्तव में इस सेवा को स्पीड पोस्ट के साथ विलय करके उन्नत किया गया है। वहीं, पीआईबी ने फैक्ट चेक करते हुए कहा कि डाक संचालन को सुव्यवस्थित करने, वितरण समय में सुधार लाने और रसद संसाधनों का अनुकूलन करने के लिए, डाक विभाग ने अपने छंटाई ढाँचे को युक्तिसंगत बनाया है और पंजीकृत तथा स्पीड पोस्ट, दोनों प्रकार की वस्तुओं के प्रसंस्करण को एकीकृत किया है।

ट्रंप के टैरिफ से मार्केट में टेंशन! सेंसेक्स ने 765 अंक टूटा, निफ्टी भी 233 अंक फिसला

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

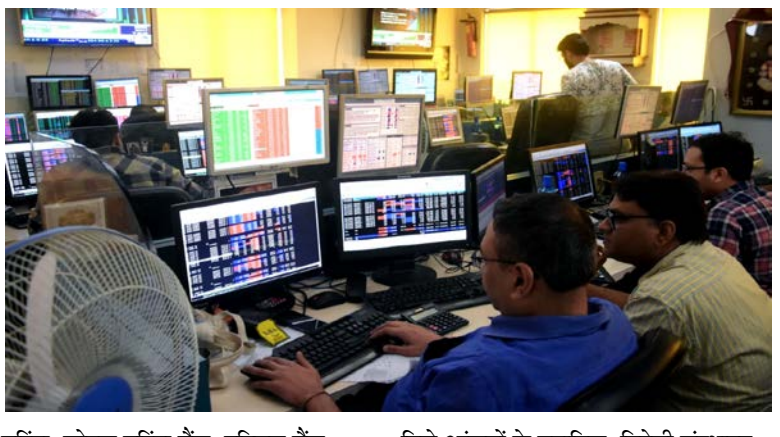

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने से उत्पन्न चिंता और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के कारण शुक्रवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में भारी गिरावट आई और सेंसेक्स 765.47 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 79,857.79 अंक पर बंद हुआ। वहीं, 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 232.85 अंक या 0.95 प्रतिशत गिरकर 24,363.30 पर आ गया। साप्ताहिक आधार पर, निफ्टी में 0.8 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि सेंसेक्स में 0.9 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एक रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल 2020 के बाद से बेंचमार्क सूचकांकों में यह सबसे लंबी गिरावट का सिलसिला है। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, एनटीपीसी, टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी और बजाज फिनसर्व के शेयरों में तेजी का रूख रहा। शेयर बाजार से मिले आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 4,997.19 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिकवाली की। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 10,864.04 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

अमेरिका की तरफ से भारतीय आयात पर घोषित शुरुआती 25 प्रतिशत शुल्क बृहस्पतिवार से लागू हो गए। वहीं रूसी तेल खरीदने पर अलग से लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क 27 अगस्त से लागू होने वाले हैं। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में ज्यादातर बढ़त मेंथे। अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत बढ़कर 66.82 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 79.27 अंक बढ़कर 80,623.26 अंक और निफ्टी 21.95 अंक चढ़कर 24,596.15 अंक पर रहा था।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

जनता को तकलीफ हो तो हम शांत नहीं बैठ सकते, बाढ़ प्रभावितों से सीएम ने किया सीधा संवाद, तीस करोड़ की राहत राशि बांटी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि जनता को तकलीफ आए तो हम शांत नहीं बैठ सकते। ऐसी असामान्य बाढ़ की कल्पना नहीं थी। संकट के समय सरकार हर पल सतर्क रही। संघर्ष के क्षण में सरकार और पीड़ितों का परिवार की तरह रिश्ता है। सरकार और समाज अलग-अलग नहीं हैं। शिवपुरी में एक पिता-पुत्र 36 घंटे तक घर की छत पर बैठे रहने को मजबूर हुए थे। जब उनसे मुलाकात हुई तो रो पड़े और कहा कि अगर प्रशासन ने मदद नहीं की होती तो जान नहीं बचती। सीएम यादव ने ये बातें वीडियो कांफ्रेंसिंग से बाढ़ पीड़ितों को राहत राशि वितरित करने के बाद कहीं। इस दौरान सिंगल क्लिक से प्रदेश के 28400 लोगों को तीस करोड़ की राहत राशि वितरित की गई। इसके पहले 28 करोड़ रुपए राहत राशि के रूप में बांट चुके हैं। अभी फसल नुकसान सर्वे नहीं हुआ है। उसकी क्षतिपूर्ति की राशि अलग से दी जाएगी।

मऊगंज और दमोह के बाढ़ और आपदा प्रभावित लोगों से सीधी बात भी सीएम डॉ मोहन यादव ने की। वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राहत राशि वितरण के दौरान सीएम ने पीड़ितों से पूछा कि किस तरह की स्थिति बनी और प्रशासन तथा स्थानीय लोगों ने किस तरह से लोगों को सुरक्षित निकाला। दमोह की एक महिला ने कहा कि जितनी सेवा मां बाप नहीं करते, बाढ़ के दौरान वैसी सेवा प्रशासन की टीम ने की है। गांवों के सरपंच और सीईओ के द्वारा आपदा में राहत दिलाने का काम किया गया। एक ग्रामीण ने बताया कि नाव से उन्हें और गांव के अन्य लोगों को सुरक्षित निकालने का काम किया।

बाढ़ पीड़ितों से चर्चा के दौरान सीएम यादव ने हास परिहास भी प्रभावितों के साथ किया। दमोह के सरपंचों और प्रभावितों से चर्चा के दौरान सीएम यादव ने सरपंचों से चर्चा के दौरान कहा कि मेरे कलेक्टर भी दुबले पतले हैं और दूसरे अफसर भी दुबले पतले हैं, सरपंच साहब लोग अच्छे चकाचक दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद ठहाके गूंजे।

पार्वती नदी में बाढ़ आने पर प्रशासन के लोगों ने नाव से निकाला है। मलकीत सिंह ने बताया कि रात में चार बजे प्रशासन की टीम ने सुरक्षित निकालने का काम किया है। इस दौरान सीएम यादव ने पूछा कि आपको अच्छा -अच्छा बोलने के लिए अफसरों ने सिखाया तो नहीं है। सही सही बोलना, आपको भगवान की कसम है। सीएम ने इस दौरान कहा कि गुना की प्रशासन की टीम का प्रबंधन अच्छा था। कलेक्टर किशोर कान्याल से सीएम यादव ने कहा कि गुना प्रवास के दौरान जहां वे नहीं जा पाए हैं, वहां कलेक्टर पहुंचकर लोगों की व्यवस्था की जानकारी लेंगे। उन्होंने कहा कि वे शिवपुरी गए थे।

रायसेन में एक प्रभावित से चर्चा करते हुए सीएम ने कहा कि किस तरह की दिक्कतें आईं, प्रशासन का क्या रोल रहा? इस दौरान एक प्रभावित ने बताया कि प्रशासन की संवेदनशीलता से लोगों को समय पर राहत मिली है। संतोष राय ने कहा कि उनके घर में पानी घुसने की जानकारी दिए जाने के बाद प्रशासन की टीम ने मदद की। घर से दो से ढाई फीट पानी भर गया था। एसडीएम, तहसीलदार, पटवारी ने खाने का अलग से इंतजाम कराया और शिविर में रुकने का इंतजाम कराया। मेरा नुकसान बहुत हुआ है, प्रशासन ने सहयोग का आश्वासन दिया था। सीएम ने कहा कि दुख की घड़ी में सभी साथ हैं। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने पिछले महीने आई बाढ़ पीड़ितों से से सीएम की बात कराई। चंद्रमोहन मालवीय ने कहा कि जो नुकसान हुआ है उसके लिए प्रशासन ने मदद की है। सीएम ने कहा कि कष्ट और दुख की घड़ी में सरकार और प्रशासन साथ रहा। आगे भी पूरा सहयोग रहेगा।

कुबरेश्वर धाम से लौटे श्रद्धालुओं की भीड़, भोपाल स्टेशन पर 36 घंटे में डेढ़ लाख से ज्यादा यात्री पहुंचे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

सीहोर के कुबरेश्वर धाम से लौटे श्रद्धालुओं के कारण 6 अगस्त की शाम से लेकर 7 अगस्त की रात तक करीब 36 घंटे में भोपाल रेलवे स्टेशन पर करीब डेढ़ लाख से ज्यादा यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। भीड़ के कारण स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, फुटओवर ब्रिज और सर्कुलेटिंग एरिया तक भर गए। भोपाल रेल मंडल के अनुसार, दो दिनों में यात्रियों की संख्या सामान्य से कई गुना अधिक रही। अधिकतर यात्री उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में सवार हो रहे थे। स्थिति की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्याम सिंह बरेड़िया और पंकज दुबे, सहायक वाणिज्य प्रबंधक नवल अग्रवाल व रेल सुरक्षा बल के अधिकारी स्टेशन पहुंचे।

उन्होंने स्टेशन परिसर का निरीक्षण कर यात्रियों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। इस दौरान कुल 60 से अधिक ट्रेनों का संचालन किया गया।यात्रियों को कोच गाइडेंस सिस्टम और माइक अनाउंसमेंट के जरिए जानकारी दी जाती रही। अधिकारियों और रेलवे सुरक्षा बल की टीमों ने देर रात तक स्टेशन पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर रखी। रेलवे प्रशासन के मुताबिक, यात्रियों की संख्या को देखते हुए आगे भी स्टेशन पर निगरानी और आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

भोपाल में 600 पेशियां आगे बढ़ाईं, तीसरे दिन भी काम पर नहीं तहसीलदार-नायब तहसीलदार

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन से नाराज राजस्व अधिकारी लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे अकेले भोपाल में ही 600 से ज्यादा कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई गई हैं। अगले 2 दिन सरकारी छुट्टी है। इस वजह से आम लोगों के काम पर ज्यादा असर पड़ेगा। नई व्यवस्था को भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार 6 अगस्त से विरोध कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी गाड़ियों की चॉबी कलेक्टोरेट में जमा कर दी थी। वे ऑफिसों में तो बैठ रहे, लेकिन काम नहीं कर रहे। इस वजह से कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई जा रही हैं।

जानकारी के अनुसार, नामांतरण, सीमांकन, फौती नामांतरण, मूल निवासी, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस सहित करीब 500 से अधिक मामले आते हैं। इसके अलावा हर दिन करीब तीन सौ प्रकरणों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार सुनवाई करते हैं। इस वजह से दो दिन में ही 600 से ज्यादा केस की पेशियां आगे बढ़ा दी गई है। तीसरे दिन शुक्रवार को भी 300 पेशियां आगे बढ़ेगी। ऐसे में आंकड़ा 900 तक पहुंच सकता है।

भोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है। वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं।

इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलेट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई। इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई। इसमें 6 अगस्त से विरोध करने का फिर से निर्णय लिया गया। संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीनचंद कुंभकार ने बताया कि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत प्रदेश के कई जिलों में राजस्व अधिकारी विरोध कर रहे हैं। भोपाल में भी असर देखने को मिल रहा है।

विभाजन को लेकर संघ की बैठक हो चुकी है। इसमें संवर्ग में विभाजन की इस योजना के पूर्ण रूप से वापस नहीं होने तक सभी राजस्व अधिकारी आपदा प्रबंधन कार्यों को छोड़कर समस्त कार्यों से विरत रहते हुए जिला मुख्यालयों पर उपस्थित रहने का निर्णय लिया गया। हालांकि, कोई भी सामूहिक अवकाश या हड़ताल पर नहीं है। सभी राजस्व अधिकारी जिला मुख्यालय पर ही उपस्थित हैं।

दो दिन पहले बोले थे मंत्री-दिक्कतें आ रही थीं

विरोध के चलते बुधवार को ही राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा था कि यह कैबिनेट का निर्णय है। प्रोटोकॉल और न्यायालयीन प्रक्रिया में पहले बड़ी दिक्कतें आ रही थीं। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के लिए व्यवस्था नहीं की है। कुछ के लिए ही है।

सिविल जज की तैयारी कर रही युवती ट्रेन से लापता, उमरिया स्टेशन पर मिला बैग

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

इंदौर से कटनी जाने के लिए निकली 29 साल की युवती अर्चना तिवारी रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई है। अर्चना 7 अगस्त की सुबह इंदौर से कटनी के लिए निकली थी। वह ट्रेन नंबर 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के बी-3 कोच में सीट नंबर 3 पर सफर कर रही थी। बताया जा रहा है कि युवती इंदौर से रवाना हुई और भोपाल के रानी कमलापति स्टेशन तक पहुंची, लेकिन इसके बाद ट्रेन में दिखाई नहीं दी। उसका बैग उमरिया स्टेशन पर मिला, लेकिन वह खुद कहां गई। इसका अब तक पता नहीं चल सका है।

युवती के परिजन के अनुसार, अर्चना मंगल नगर, कटनी की निवासी है और वर्तमान में इंदौर में रहकर सिविल जज की परीक्षा की तैयारी कर रही थी। साथ ही वकालत भी कर रही थी। ट्रेन में सफर के दौरान परिवार वालों से आखिरी बार उसकी बात सुबह 10:15 बजे हुई थी। तब ट्रेन भोपाल के आसपास थी। इसके बाद से उसका मोबाइल फोन बंद है।

परिजनों ने जब कटनी स्टेशन पर उसका इंतजार किया और वह नहीं पहुंची, तो तत्काल तलाश शुरू की गई। परिजन ने उमरिया स्टेशन पर मौजूद रिश्तेदारों को सूचना दी। जब रिश्तेदारों ने ट्रेन का इंतजार किया तो उन्हें युवती का बैग उमरिया में मिला, लेकिन अर्चना नहीं मिली। ट्रेन के अन्य यात्रियों ने बताया कि वह इंदौर से भोपाल तक ट्रेन में देखी गई थी, लेकिन भोपाल के बाद ट्रेन में वह मौजूद नहीं थी। जीआरपी कटनी से सब इंस्पेक्टर अनिल मरावी ने बताया कि युवती इंदौर से कटनी के लिए रवाना हुई थी। परिजन का कहना है कि वह पढ़ी-लिखी और समझदार है। सिविल जज की तैयारी कर रही थी। ऐसे में अचानक ट्रेन से उतर जाना या गुम हो जाना संदिग्ध लगता है। हमने मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने की कोशिश की लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ है। पुलिस को अभी तक कोई सीसीटीवी फुटेज नहीं मिला है। जिससे यह पता चल सके कि युवती ट्रेन से कब और कहां उतरी?।

नेशनल हेल्थ मिशन की रिपोर्ट- भोपाल में 6 महीने में 19,285 लोगों को कुत्तों ने काटा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल में 6 महीने में 19 हजार 285 लोगों को कुत्तों ने काटा है। नेशनल हेल्थ मिशन ने पिछले दिनों राष्ट्रीय रैबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश के 6 शहरों को शामिल किया है। वहीं, वर्ष 2030 तक रैबीज फ्री शहर बनाने के लिए विस्तृत कार्य योजना मांगी गई थी। साल 2024 और इस वर्ष माह जनवरी से जून 2025 तक की स्थिति में डॉग बाइट्स के मामलों की रिपोर्ट नेशनल हेल्थ मिशन से मांगी गई थी। जिसमें प्रदेश के 6 शहरों की तुलना में भोपाल में सबसे कम डॉग बाइट के मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भोपाल में कुल 19 हजार 285 डॉग बाइट्स के मामले दर्ज किए गए। जिसका औसत 0.8 प्रतिशत रहा, जबकि 30 जून को समाप्त हुई वर्ष 2025 की प्रथम छह माही में यह प्रतिशत मात्र 0.07 प्रतिशत था। इस प्रकार नेशनल हेल्थ मिशन की रिपोर्ट में भोपाल में सबसे कम डॉग बाइट्स के मामले रिपोर्ट किए गए। रतलाम में सर्वाधिक डॉग बाइट्स के मामले सामने आए, जबकि उज्जैन दूसरे स्थान पर रहा। इंदौर तीसरे, जबलपुर चौथे और ग्वालियर पांचवें स्थान पर रहा। भोपाल सबसे आखिरी यानी, छठवें नंबर पर रहा। रैबीज मुक्त शहर-2030 के तहत भोपाल नगर निगम ने विस्तृत कार्य योजना भी भारत सरकार को दी है। वर्तमान तक भोपाल ऐसा शहर है, जहां से इस प्रकार की कार्ययोजना भारत सरकार को भेजी गई है। रैबीज मुक्त शहर बनाने की दिशा में नगर निगम ने शहर में 3 एबीसी सेंटर्स संचालित किए जा रहे हैं।

लगभग 22 हजार श्वानों का नसबंदी ऑपरेशन प्रतिवर्ष किया जा रहा है, जबकि भारत सरकार के रैबीज मुक्त शहर के क्रियान्वयन के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक 10 वार्डों पर 01 श्वान नसबंदी केंद्र होना चाहिए। नगर निगम ने मानक से कम नसबंदी केंद्रों में अधिक से अधिक श्वानों की नसबंदी के प्रयास किए जा रहे हैं। उसमें काफी सुखद परिणाम सामने आए हैं। श्वानों की नसबंदी ऑपरेशन की संख्या भोपाल में उपलब्ध संसाधनों की तुलना में बहुत अधिक है।

बहना मांगे भाई से- राखी पर रक्षा का उपहार, 'भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना'

श्रावणी पर्व पर 10 स्नान

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

अखिल विश्व गायत्री परिवार पर प्रतिवर्षानुसार रक्षाबंधन के पर्व को श्रावणी पर्व के रूप में मनाया है जिसके अंतर्गत 9अगस्त को प्रातः 7:30 से भोपाल के सभी परिजन 10 स्नान का क्रम करते है जिसमें गोबर,गोमूत्र मिट्टी,गौमय पंच द्रव्य आदि से स्नान कर यज्ञोपवित्र (जनेऊ) बदलकर वैदिक गायत्री यज्ञ संपन्न कर इसके उपरांत आपस में एक दूसरे को रक्षा सूत्र बांधकर शुभकामनाएं बधाई देते हैं गायत्री परिवार रक्षाबंधन के पर्व को भाई बहन पुनीत पर्व के अवसर पर बहन भाई को राखी बांधती है और अपने भाई की लंबी उम्र की कामना करती है और इस अवसर पर बहन भाई से वचन लेती है कि एक व्यसन बुराई ,फैशन या आप दूसरी बहनो को भी अपनी बहन के जैसा समझोगे एवं कोई नशे व्यसन की आदत है तो उसे आज से ही त्याग करोगे ऐसा वचन संकल्प ले कर राखी बांधती है भाई भीअपनी बहन एवं समाज की बहनो की रक्षा, सम्मान का वचन देता है।

ऊपर से नीचे से जाएगी : आज की दिव्या ज्योति कलश यात्रा कोलार क्षेत्र मैं जन जागरण करते हुए संध्या की बेला में प्रियंका नगर के हनुमान मंदिर पर दीप यज्ञ के साथ समापन हुआ इस अवसर पर कार्यक्रम में पधारी सभी उपस्थित बहनों भाइयों को रक्षा बंधन के पावन पर की पूर्व संध्या पर रक्षाबंधन पर भाइयों से व्यसन छोड़ने के पौध रोपण करने साथ बहनों की रक्षा का वचन पत्र भरवा करके राखी बंधेगी।

भाई वचन देता है बहन को : रक्षाबंधन की लाज रखूंगा, है बहन तुम्हारी कसम, हरदम रहूंगा दूर नशे से , बहकेंगे नहीं कदम।
हर बहन की करूंगा रक्षा, है मुझ में यह दम, सुनने मेरी बहना, निभाऊंगा वचन यह हरदम।।

बच्चियों ने मंडल सदस्यों को राखी बांधी

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

ओम शिव शक्ति सेवा मंडल भोपाल के सदस्यों को जरूरतमंद बालिकाओं ने गोविंद गार्डन में राखियां बांधी। मंडल सदस्यों ने राखी बंधवाकर उनको स्वल्पाहार कराकर मिठाई एवं उपहार दिए गए । राखी बंधवाने बालों में रिंकू भटेजा ,सचिन सेवारमांनी ,विजय विश्वकर्मा ,रामेश्वर गुप्ता ,दुर्गेश तिवारी ,गजेंद्र ठाकुर ,सचिन आर्य ,प्रदीप सोनी सहित अनेकों मंडल सदस्य उपस्थित थे।

करियर कॉलेज के एनीमेशन विभाग के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण

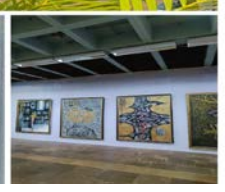

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

करियर कॉलेज ऑटोनॉमस के एनीमेशन विभाग द्वारा विद्यार्थियों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु शिव आर्ट गैलरी बिट्टन मार्केट एवं भारत भवन में लगी एग्जीबिशन ले जाया गया जहां विद्यार्थियों ने वहां पर लगी एग्जीबिशन में फोटोग्राफी का अवलोकन कर फोटोग्राफी की बारीकियां को समझा इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को विभिन्न कलाकारों की कलाकृतियों से अवगत कराना एवं उससे सीख लेना है। यह शैक्षणिक भ्रमण विभाग के प्रोफेसर रविंद्र राय के मार्गदर्शन में किया गया।

इंटक यूनियन ने पांच नंबर फाउंड्री गेट क्रांति स्थल पर विशाल सत्याग्रह किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी कर्मचारियों के ज्वलंत समस्याओ के निराकरण हेतु 9 अगस्त भारत छोड़ो आंदोलन की पूर्व संध्या पर 8 अगस्त 2025 को हेम्टू इंटक यूनियन ने 5 नंबर फाउंड्री गेट क्रांति स्थल पर विशाल सत्याग्रह किया। क्रांति स्थल फाउंड्री गेट पर कर्मचारियों के उमड़े जनसैलाब के कारण 8 अगस्त 2025 को किया गया यह सत्याग्रह भेल भोपाल के कर्मचारियों की एकता एवं संघर्ष के लिए सदैव याद किया जायेगा।हेम्टू इंटक यूनियन के अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कहा कि 9 अगस्त 1942 भारत छोड़ो आंदोलन देश की एकता के नाम से जाना जाता है इस अवसर पर भेल भोपाल के समस्त कर्मचारियों को भी एकजुट होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। राजेश शुक्ला ने कहा की इंटक यूनियन के रास्ट्रीय अध्यक्ष मजदूरो के मसीहा डॉ जी संजीवा रेड्डी के कुशल नेतृत्व भेल के समस्त कर्मचारियों को दोनों बोनस के भुगतान की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई है।रेड्डी साहब के नेतृत्व में हेम्टू इंटक यूनियन ने सदैव मजदूरो की आर्थिक लड़ाई लड़ी है।यूनियन के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय आर डी त्रिपाठी ने आठो वेज रिवीजन पर हस्ताक्षर किये है। कर्मचारियों के चाहे इंसेंटिव की बात हो बोनस की बात हो इंटक यूनियन ने सदैव आर्थिक हितो में वृद्धि की थी परंतु वर्तमान में चुनी हुई यूनियनों ने सभी आर्थिक हितो में कटौती कर कर्मचारियों के आर्थिक हितो में कुठाराघात किया है। राजेश शुक्ला ने कहा कि हेम्टू इंटक यूनियन सभी ज्वलंत विसयो के निराकरण हेतु संघर्षरत है और मारेगे नहीं लेकिन मानेगे नहीं के सिद्धान्त पर जब तक समस्याओ का निराकरण नहीं हो जाता संघर्ष जारी रहेगा।मध्य प्रदेश युथ इंटक अध्यक्ष एवं हेम्टू इंटक यूनियन के कोषाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी ने कहा की 9 अगस्त 1942 भारत छोड़ो आंदोलन से प्रेरित होकर भेल भोपाल के कर्मचारियों के जोश और जज्बे के साथ ज्वलंत विसयो के निराकरण हेतु हेम्टू इंटक की ललकार अनवरत जारी रहेगी। 3 जुलाई 2025 को यूनियन द्वारा निकाले गए पैदल मार्च ने एजेंडे में न होने के वाबजूद पीपी एवं एसआईपी दोनों बोनस का अलग अलग निर्धारण कर भुगतान की प्रकिया को प्रारम्भ कराया।यह ऐतिहासिक जीत भेल भोपाल कर्मियो के संघर्ष का परिणाम है। हेम्टू इंटक यूनियन द्वारा भेल कार्पोरेट प्रबंधन द्वारा निकाली गई एडहॉक भर्ती का जोरदार विरोध किया गया एवं भेल में आर्टिजनो की नियमित भर्ती हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया गया।आप सभी के संघर्ष का परिणाम सबके सामने है 500 से अधिक नियमित कर्मचारियों की भर्ती का विज्ञापन निकाला गया है।मिथिलेश तिवारी ने कहा की दीपावली के पर्व के पूर्व होने वाली जेसीएम की बैठक में सम्मानजनक बोनस के साथ साथ नाईट एलाउंस एवं रिवॉर्ड स्कीम का रिवीशन किया जाये यह भेल भोपाल कर्मचारियों की प्राथमिक मांग है।यूनियन के महामंत्री अजीत गोंड ने कहा की कर्मचारियों को मिलने वाली वेलफेयर की सुविधाओ जिसमे कैंटीन ,अस्पताल एवं टाउनशिप की स्थिति अत्यंत दयनीय है।कर्मचारी इन समस्याओ को लेकर परेशांन हो रहा है और। परंतु चाहे प्रतिनिधि यूनियन हो चाहे प्रबंधन हो आँख मूंदकर बैठी हुई है।चुनाव हुए तीन वर्ष बीत चुके है इन तीन वर्षों में कर्मचारी अपने आपको ठगा महसूस कर रहा है।हेम्टू इंटक यूनियन मैदान पर उतर चुकी है और समस्याओ के निराकरण हेतु संघर्षरत है। यूनियन के सचिव जितेंद्र मालवीय ने मंच का संचालन किया और अपने उदबोधन में कहा कि कर्मचारियों का सहयोग एवं समर्थन ही हमारी ताकत है और इसी सहयोग का परिणाम है की हमारी यूनियन हर विसय के निराकरण हेतु मैदान में है। कार्यक्रम के अंत में एचएमएस यूनियन के महासचिव कामरेट अमर सिंह राठौर के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर सादर श्रद्धान्जली अर्पित की गई। यूनियन के मीडिया प्रभारी सी आर नामदेव ने सत्याग्रह में आये हुए समस्त जवांज साथियो का आभार व्यक्त किया। सत्याग्रह में शामिल हुए भेल भोपाल के सभी देवतुल्य कर्मचारी भाइयो का ह्रदय की गहराइयो से बहुत बहुत धन्यवाद एवं आभार। सत्याग्रह के अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित राजेश शुक्ला, अध्यक्ष हेमटू इंटक, अजीत कुमार गोंड, महामंत्री, मिथलेश तिवारी,कोषाध्यक्ष एवं म प्र यूथ इंटक अध्यक्ष सी आर नामदेव, मीडिया प्रभारी इंटक, धर्मेंद्र अवस्थी, उपाध्यक्ष, फज़ल खान, टी आर वाटक्या, राममलिंगम, सी एम साहू, इक़बाल अहमद, जितेंद्र मालवीय, प्रदीप मालवीय, सत्येंद्र शर्मा, नीरज विश्वकर्मा, सुभाष, सुरेश मेहरा, बुधमान सिन्हा, अजय राठिया, पुष्पेंद्र मिश्रा, तरुणेंद्र कुमार, अनुपराज पांडे, विजेंद्र नाग, रामभुवन, चंद्रमणि, राम मेहरा, कमलेश चौरसिया, पवन कच्छवाह, दीपक तिवारी, एवं इंटक के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सनातन संस्था द्वारा संकलित लेख : रक्षाबंधन पर्व का महत्व

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक है। इस दिन बहन अपने भाई का आरती करके उसे प्रेम का प्रतीक राखी बाँधती है। भाई भी बहन को उपहार देकर आशीर्वाद देता है। हजारों वर्षों से चल रहे इस पर्व का इतिहास, शास्त्र, राखी बनाने की विधि और इसका महत्व, सनातन संस्था द्वारा संकलित इस लेख में स्पष्ट किया गया है।

इतिहास – पाताल में राजा बलि के हाथ पर लक्ष्मीजी ने राखी बाँधकर उसे अपना भाई बना लिया और नारायण की मुक्ति कराई। वह दिन श्रावण पूर्णिमा का ही था। बारह वर्षों तक इंद्र और दैत्यों के बीच युद्ध चलता रहा। देवताओं के बारह वर्ष दैत्यों के बारह दिनों के समान थे। इंद्र थक चुके थे और दैत्य प्रभावी होते जा रहे थे। इंद्र अपनी जान बचाने के लिए युद्ध से भागने की तैयारी में थे। यह जानकर इंद्राणी गुरु बृहस्पति के पास गईं। गुरु ने ध्यान लगाकर कहा-

"यदि तुम अपने पतिव्रत के बल से संकल्प करो कि मेरे पति सुरक्षित रहें, और इंद्र के दाएँ हाथ में एक धागा बाँधो, तो इंद्र की विजय निश्चित है।"

इंद्र की जीत हुई और इंद्राणी का संकल्प सफल हुआ। भविष्य पुराण के अनुसार, रक्षाबंधन मूल रूप से राजाओं के लिए था और तभी से राखी बाँधने की परंपरा चली आ रही है।

भावनात्मक महत्व– राखी बहन भाई के हाथ पर इसलिए बाँधती है ताकि भाई समृद्ध हो और वह बहन की रक्षा करे, यही भावना इस पर्व के पीछे होती है।

राखी बाँधने की विधि– चावल, सोना और सफेद मिश्री को एक कपड़े में बांधकर रक्षा (राखी) तैयार की जाती है। इसे रेशमी धागे से बाँधा जाता है और यह मंत्र बोला जाता है:

"येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः।
तेन त्वामपि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल।।"

अर्थ : जिससे दानवों के महाबली राजा बलि को बाँधा गया था, उसी रक्षा से मैं तुम्हें बाँधती हूँ। हे रक्षा! तुम अडिग रहो।

चावल के दानों को रेशमी धागे से बाँधने की परंपरा क्यों है? - चावल सर्वसमावेश का प्रतीक है, जो सभी को समाहित करता है। यह सभी तरंगों के आदान-प्रदान में सक्षम है। चावल को सफेद कपड़े में बांधकर रेशमी धागे से शिवरूप जीव के दाहिने हाथ पर बांधना सात्त्विक बंधन का निर्माण करता है। रेशमी धागा सात्त्विक तरंगों को गति देने में अग्रणी होता है।

बहन राखी बाँधते समय कैसा भाव रखे? - जब श्रीकृष्ण की उँगली से रक्त बह रहा था, तब द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर उनकी उँगली बाँधी। बहन अपने भाई को कोई पीड़ा सहते नहीं देख सकती। भाई की रक्षा के लिए वह सब कुछ कर सकती है। राखी बाँधते समय हर बहन को यही भावना रखनी चाहिए।

भाई द्वारा सात्त्विक उपहार देने का महत्व - रज-तम प्रधान वस्तुएँ असात्त्विक होती हैं, इसलिए भाई को बहन द्वारा सात्त्विक उपहार दिया जाना चाहिए, जैसे कोई धार्मिक ग्रंथ, जपमाला आदि जिससे बहन की साधना में सहायता हो।

प्रार्थना करना- बहन को भाई के कल्याण के लिए और भाई को बहन की रक्षा के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। साथ ही दोनों को मिलकर यह प्रार्थना करनी चाहिए "हमारे द्वारा राष्ट्र और धर्म की रक्षा हेतु प्रयास हो।"

राखी से देवताओं का अपमान रोकें- आजकल राखियों पर 'ॐ' या देवी-देवताओं की तस्वीरें होती हैं। राखी के बाद हाथसे राखी उतारकर उसे इधर-उधर फेंकने से देवताओं का और धार्मिक प्रतीकों का अपमान होता है। इससे बचने के लिए राखी का बहते पानी में विसर्जन करें।

संदर्भः सनातन संस्था का ग्रंथ – "पर्व, धार्मिक उत्सव एवं व्रत"

महाराष्ट्र में सब कुछ ठीक नहीं

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और शिव सेना के नेता एकनाथ शिंदे ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। वे परिवार के साथ प्रधानमंत्री से मिलने गए थे। उन्होंने उप राष्ट्रपति के चुनाव में भाजपा की ओर से तय किए जाने वाले उम्मीदवार को बिना शर्त समर्थन का ऐलान किया। इसके साथ ही शिंदे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में सब कुछ ठीक है और उनके व मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बीच कोई विवाद नहीं है। लेकिन उनके यह कहने का मतलब ही है कि विवाद चल रहा है। तभी फड़नवीस से ज्यादा शिंदे दिल्ली की दौड़ लगा रहे हैं। कुछ दिन पहले वे दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिले थे और अब प्रधानमंत्री मोदी से मिले हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में फड़नवीस और उद्धव व राज ठाकरे मिल कर उनको किनारे करने की कोशिश कर रहे हैं। स्थानीय निकाय चुनाव में इसका असर दिखेगा। फड़नवीस और शिंदे के बीच कैसे सब कुछ ठीक नहीं है। इसकी ताजा मिसाल बेस्ट यानी बृहन्नमुंबई विद्युत आपूर्ति और परिवहन के महाप्रबंधक की नियुक्ति का विवाद है। हालांकि अब इस पर सरकार की सफाई आ गई है। लेकिन पहले खबर आई थी कि शहरी विकास मंत्री के तौर पर एकनाथ शिंदे ने आईएएस अधिकारी आशीष शर्मा को बेस्ट का जीएम नियुक्त किया, जबकि मुख्यमंत्री फड़नवीस के सामान्य प्रशासन विभाग ने अश्विनी जोशी को बेस्ट का जीएम नियुक्त कर दिया। अब सफाई दी जा रही है कि फड़नवीस की ओर से कोई आदेश जारी नहीं हुआ है और आशीष शर्मा को अभी अतिरिक्त प्रभार मिला है। यानी जीएम की नियुक्ति का आदेश सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से ही जारी होगा।

जिनका वोट बैंक जब्त, वही चोरी का आरोप लगाएंगे

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार वोट चोरी होने का आरोप लगा रहे हैं। इसका जवाब केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने और तल्ख अंदाज में देते हुए कहा है कि जिनका वोट बैंक जब्त हो गया है, वही तो वोट चोरी होने का आरोप लगाएंगे। दरअसल बिहार विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और विपक्षी दल चुनाव आयोग को घेरने में लगे हैं। बीते रोज गुरुवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक संवाददाता सम्मेलन में खुले तौर पर वोट चोरी होने का आरोप लगाया था और कई आंकड़े भी पेश किए थे। राहुल गांधी के आरोपों को लेकर जब केंद्रीय मंत्री सिंधिया से सवाल किया गया तो उनका कहना है कि जिनका वोट बैंक ही जब्त हो गया है, वहीं तो आरोप लगाएंगे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया शुक्रवार को भोपाल के प्रवास पर आए। इस दौरान उनकी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात हुई। बंद कमरे में भी दोनों के बीच लंबी चर्चा हुई। समझा जा रहा है कि भाजपा की विभिन्न इकाइयों में कार्यकारिणी का गठन होना है, इस पर विस्तार से चर्चा हुई होगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने भाजपा अध्यक्ष से हुई मुलाकात को लेकर कहा कि हेमंत खंडेलवाल से चर्चा हुई है, संगठन को उनके नेतृत्व में मजबूती मिलेगी, ऐसी उम्मीद है। राज्य में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के तौर पर खंडेलवाल ने कमान संभाली है। आगामी दिनों में राज्य की जिला इकाई और मंडल इकाइयों में पदाधिकारियों की नियुक्ति होनी है, वहीं राज्य कार्यकारिणी का गठन भी प्रस्तावित है। कुल मिलाकर संगठन में बड़े फेरबदल होने वालेहैं। ऐसे में तमाम बड़े नेता अपने समर्थकों को संगठन में जगह दिलाना चाहते हैं। सियासी गलियारों में चर्चा है कि सिंधिया की खंडेलवाल से हुई मुलाकात में इन मसलों पर विस्तार से चर्चा हुई होगी।

एशियाई कूटनीति कितना कामयाब होगी!

अमेरिका और यूरोपीय संघ को जवाब देने के लिए क्या भारत एशियाई भाईचारे की कूटनीति कर सकता है और अगर करता है तो इसके कामयाब होने की संभावना कितनी है? यह बड़ा सवाल है, जिसका जवाब आने वाले कुछ दिनों में मिलेगा। यह भी हो सकता है कि भारत की ओर से एशियाई भाईचारे की जो कूटनीति हो रही है वह अमेरिका और यूरोपीय संघ पर दबाव बनाने के लिए हो और थोड़े दिन बाद सब कुछ वापस पुराने ढर्रे पर आ जाए। इसका भी पता अगले कुछ दिन में चलेगा। लेकिन अभी स्थिति यह है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर अपने मनमाफिक व्यापार संधि करने के लिए दबाव बना रहे हैं, टैरिफ बढ़ा रहे हैं और जुर्माना लगा रहे हैं। तो दूसरी ओर भारत उस दवाब में आने की बजाय अमेरिका को दबाव में लाने की कूटनीति कर रहा है। यह अनायास नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन जाने का कार्यक्रम बनाया और उसके साथ ही जापान के दौरे का भी फैसला हो गया। प्रधानमंत्री 30 अगस्त को पहले जापान जाएंगे और वहा से 31 अगस्त को चीन के दौरे पर पहुंचेंगे, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में हिस्सा लेंगे। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग से होगी और दोनों के बीच दोपक्षीय चर्चा हो सकती है। ध्यान रहे चीन और अमेरिका दोनों भारत के सबसे बड़े कारोबारी कारोबारी साझीदार देश हैं। फर्क यह है कि अमेरिका से कारोबार में व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में है तो चीन से कारोबार में व्यापार संतुलन चीन के पक्ष में है। अगर अमेरिका 50 फीसदी टैरिफ लगाने पर अड़ा रहता है तो उसके साथ भी व्यापार संतुलन प्रभावित होगा। ऐसे में क्या भारत की ओर से चीन के साथ बेहतर व्यापार संधि करने का फैसला हो सकता

है? अगर ऐसा होता है तो फिर व्यापार से लेकर क्वाड तक सब कुछ प्रभावित होगा और अमेरिका को अपनी एशियाई नीति पर नए सिरे से विचार करना होगा। एससीओ बैठक से इतर चीन के दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी होगी। दोनों के बीच दोपक्षीय वार्ता होगी। निश्चित रूप से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह बात नागवार गुजरेगी। आखिर उन्होंने रूस के साथ कारोबार करने और कच्चा तेल खरीदने की वजह से ही भारत पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। हालांकि उन्होंने इसे 27 अगस्त तक रोका हुआ है। अमेरिका के वार्ताकारों की टीम 25 अगस्त को भारत आ रही है। अगर बातचीत में सहमति बन जाती है तो टैरिफ टल भी सकता है और उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा के एजेंडे में भी कई चीजें बदल सकती हैं। बहरहाल, यह भी संयोग नहीं है कि राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने के फैसले के बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल रूस के दौरे पर पहुंचे। जयशंकर और डोवाल ने गुरुवार को रूस के नेताओं और अधिकारियों से मुलाकात की। यह बात भी ट्रंप को पसंद नहीं आएगी। लेकिन भारत अगर अपने सबसे पुराने और भरोसेमंद सहयोगी की ओर लौटने का संकेत देता है तो अमेरिका को भी अपनी कूटनीति के बारे में सोचना होगा।

फिर वही कहानी गढ़ना!

भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी टैरिफ से भारी नुकसान होगा। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इससे प्रभावित तबकों को राहत देने के उपायों पर सोच-विचार के बजाय नैरेटिव गढ़ने वाली इंडस्ट्री लोगों को उलटी कहानी बताने में जुट गई है। भारत पर डॉनल्ड ट्रंप के टैरिफ का डंडा चलते ही सत्ताधारी पार्टी का प्रचार तंत्र एवं मेनस्ट्रीम मीडिया यह कहानी फैलाने में जुट गए हैं कि इस अमेरिकी कदम का असल नुकसान अमेरिका के लोगों को उठाना होगा। अभी कुछ समय पहले, जब तक अमेरिका से द्विपक्षीय व्यापार समझौते की संभावना कायम थी, यह इकॉसिस्टम इसे नरेंद्र मोदी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताने में जुटा था कि भारत संभवतः ट्रंप के टैरिफ से बच जाएगा। तब बताया जा रहा था कि समझौते से भारत के क्या- क्या फायदे होंगे। मगर अब कहानी बदल गई है। जबकि हकीकत यह है कि अमेरिका को निर्यात से जुड़े भारतीय कारोबारी घोर आशंकाओं से गुजर रहे हैं। मसलन, वस्त्र निर्यातकों की संस्था एपेरेल एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल ने कहा है कि भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगना एक बड़ा झटका है। जब टैरिफ 25 प्रतिशत था, तभी इस संस्था के

अधिकारियों ने कहा था कि उसके परिणामस्वरूप भारतीय निर्यात अमेरिका बाजार में प्रतिस्पर्धी नहीं रह जाएंगे, नतीजतन विक्रेताओं को अपने उत्पाद लागत से भी कम कीमत पर बेचने पड़ सकते हैं। यही बात रत्न एवं जेवरात निर्यातकों ने कही है। उनकी संस्था जेम एवं जुलरी एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउंसिल ने आगाह किया है कि ट्रंप के टैरिफ का उनके कारोबार पर बेहद गंभीर असर होगा और इस कारण बड़ी संख्या में नौकरियां जाएंगी। काउंसिल ने छह अगस्त को (जिस रोज ट्रंप ने टैरिफ बढ़ा कर 50 प्रतिशत किया) "अंधकारमय दिन" करार दिया है। दरअसल, भारत से अमेरिका को निर्यात होने वाली अधिकांश सामग्रियां अति उच्च या उच्च आयात शुल्क की श्रेणियों में आ गई हैं। सिर्फ पेट्रोलियम उत्पाद, औषधि और स्मार्टफोन निम्न टैरिफ के दायरे में हैं, लेकिन ट्रंप ने जल्द ही औषधियों पर ऊंचा शुल्क लगाने की बात कही हुई है। 50 फीसदी टैरिफ होने के बाद भारत ज्यादातर दूसरे देशों की तुलना में अमेरिकी टैरिफ का अधिक बोझ झेलने वाला देश बन गया है। इसका नुकसान अपरिहार्य है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इससे प्रभावित तबकों को राहत देने के उपायों पर सोच-विचार के बजाय सत्ता पक्ष की नैरेटिव गढ़ने वाली इंडस्ट्री लोगों को उलटी कहानी बताने में जुट गई है।

मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज सीतामढ़ी में मां जानकी की जन्मस्थली पुनौरा धाम मंदिर के भूमि पूजन के बाद इस कार्यक्रम में आए लोगों को संबोधित करते हुए मिथिलांचल की संस्कृति की तारीफ करते हुए कहा कि सही अर्थों में मिथिलांचल की संस्कृति पूरे भारतीय संस्कृति का अनन्य गहना है। इस दौरान उन्होंने विपक्ष को निशाने पर लिया और एनडीए सरकार के किए गए विकास कार्यों की तारीफ की। उन्होंने आज के दिन को देश और दुनिया के लिए शुभ बताते हुए कहा कि माता सीता ने एक ही जीवन में आदर्श पत्नी, आदर्श बेटी, आदर्श मां और आदर्श राजमाता के स्वरूपों को चरितार्थ किया है। आज माता जानकी का जहां जन्म हुआ, उस पुनौरा धाम मंदिर के परिसर का समग्र विकास होने की नींव डालने का काम हुआ है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मां जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है। उन्होंने मिथिलांचल की संस्कृति के साथ यहां की कला की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को

हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि मिथिला, वाल्मीकि रामायण से लेकर महाभारत और बौद्ध तथा जैन साहित्य तक, हमारी संस्कृति का केंद्र रहा है। धर्मशास्त्र, साहित्य, संगीत, भाषा और तंत्रज्ञान का यह एक बहुत बड़ा केंद्र रहा है। मिथिलांचल, जहां राजा जनक हुए, जहां याज्ञवल्क्य और मैत्रेयी हुए, जहां शंकराचार्य और मंडन मिश्र ने शास्त्रार्थ को चरम सीमा पर पहुंचाया, जहां मुनि अष्टावक्र ने अष्टावक्र गीता का ज्ञान दिया, उसे फिर से विद्या का धाम और संस्कृति का केंद्र बनाने की शुरुआत आज यहां से होगी। इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने राजद नेता तेजस्वी यादव को निशाने पर लेते हुए कहा कि आपके माता-पिता की सरकार ने गुंडई करने के अलावा, गैंग चलाने के अलावा, अपहरण-फिरौती के अलावा मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया? आप इसका हिसाब दीजिए। उन्होंने एनडीए सरकार में किए गए कार्यों की गिनती कराते हुए कहा कि हमने पीएम मोदी की तरफ से विकास का सारा हिसाब दे दिया। मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर भी उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव दोनों पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में एसआईआर का विरोध कर क्या जताना चाहते हैं? इनको बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी हार का अहसास हो गया है, इसलिए ये तमाम बहाने कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ये लोग घुसपैठियों को वोट बैंक समझते हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस साल बिहार में होने वाले चुनाव में भी एनडीए विजयी होगी।

रक्षाबंधन और सनातन संस्कृति!

सनातन संस्कृति में 'रक्षा' और 'बंधन' दोनों ही अत्यंत महत्वपूर्ण अवधारणाएं हैं। 'रक्षा' का अर्थ केवल शारीरिक सुरक्षा नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रक्षा भी है। वहीं 'बंधन' किसी को बाधित करने वाला नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और मर्यादा से जुड़ा आत्मिक संबंध है। रक्षाबंधन का मूल बहुत प्राचीन है । इसका सबसे प्रारंभिक उल्लेख वेदों में "रक्षासूत्र" के रूप में मिलता है। यजुर्वेद में ब्राह्मण पुरोहितों द्वारा यज्ञ या धार्मिक अनुष्ठानों के समय राजा या यजमान की कलाई में रक्षासूत्र बाँधने की परंपरा थी, जिससे उसकी रक्षा दैविक शक्तियों के द्वारा हो सके। मंत्र थाः यह रक्षासूत्र केवल बहन-भाई के रिश्ते का प्रतीक नहीं था, बल्कि धर्म, शक्ति और रक्षा का सूचक था। रक्षासूत्रों का उपयोग सामाजिक, धार्मिक और राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु हुआ। उदाहरण के लिए, भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा तब की जब उसने उन्हें रक्षासूत्र बाँधा था। भागवत पुराण में आता है कि जब देवासुर संग्राम में इंद्र परेशान थे, तब उनकी पत्नी इंद्राणी ने उनके हाथ में रक्षासूत्र बाँधा। उसी दिन श्रावण पूर्णिमा थी, और तभी से इस दिन को "रक्षा बंधन" का पर्व माना गया। राजनीतिक संदर्भ में रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूं को रक्षासूत्र भेजकर अपने राज्य की रक्षा का अनुरोध किया था। यह एक ऐसा पर्व है जो कर्तव्यबोध, नारी सम्मान, सामाजिक समरसता और पारिवारिक एकता को प्रेरित करता है और धर्म, समाज और आत्मीयता के बीच पुल का कार्य करता है। आज जब समाज में आत्मीय रिश्ते कमजोर पड़ते जा रहे हैं, तब रक्षाबंधन हमें स्मरण कराता है कि रक्षा का अर्थ केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास और स्नेह का संवाहन है। रक्षाबंधन भारत का एक पारंपरिक पर्व है, लेकिन इसका प्रभाव और महत्व अब केवल भारत

तक सीमित नहीं रह गया है। प्रवासी भारतीयों की बढती संख्या के कारण यह पर्व अब सांस्कृतिक कूटनीति, वैश्विक भाईचारे और मानवीय संबंधों के प्रतीक के रूप में उभर रहा है और अब एक सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बन रहा है। सांस्कृतिक संगठनों, भारतीय दूतावासों और विश्वविद्यालयों के माध्यम से भी इसे मनाया जाता है। भारत सरकार के इंडियन काउंसिल फॉर कल्चरल रिलेशंस (ICCR) जैसे संस्थान रक्षाबंधन जैसे पर्वों को विदेशी धरती पर मनाकर भारत की "soft power" को सशक्त करते हैं। वैश्विक मानवीय मूल्यों से साम्यता होने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय संगठन और स्कूल इसे Brotherhood Day या Universal Bond Day की तरह मनाने लगे हैं। कई मुस्लिम, सिख और ईसाई परिवार भी इस पर्व को मानवीय रिश्तों के प्रतीक के रूप में अपनाते हैं। रक्षाबंधन धर्मनिरपेक्ष सौहार्द का एक सुंदर उदाहरण है जिसे कि भारत की सांस्कृतिक विरासत (Intangible Cultural Heritage) के रूप में भी देखा जाता है। योग, आयुर्वेद, और दीपावली की तरह यह त्योहार भी विश्व पटल पर भारत की पहचान बनता जा रहा है। आज की युवा पीढ़ी, जो तकनीक, वैश्वीकरण और आधुनिक जीवनशैली के बीच बड़ी हो रही है, उसके लिए रक्षाबंधन एक संभावना और चुनौती दोनों बन चुका है — संभावनाएं अपनी जड़ों से जुड़ने की, और चुनौती इन परंपराओं को अपने व्यस्त जीवन में सहेजने की। भले ही कई बार व्यस्त जीवन और दूरी के कारण भाई-बहन एक-दूसरे से दूर होते हैं, लेकिन रक्षाबंधन के दिन डिजिटल माध्यमों से, वीडियो कॉल पर, या ऑनलाइन उपहार भेजकर इस पर्व को मनाने की भावना अब भी जीवित है। आज की पीढ़ी रक्षाबंधन को केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा की जिम्मेदारी के रूप में नहीं देखती, बल्कि वह इसे बराबरी और परस्पर सम्मान के रूप में देखती है। युवा वर्ग अब इस त्योहार को सामाजिक सीमा से ऊपर उठाकर मित्रों, गुरुओं, और यहाँ तक कि सैनिकों तक भी फैला रहा है। इससे यह पर्व केवल पारिवारिक बंधन तक सीमित न रहकर एक व्यापक सामाजिक भावना का प्रतीक बन चुका है। रक्षाबंधन का असली संदेश – "रक्षा, विश्वास और प्रेम" – आज भी उतना ही प्रासंगिक है, चाहे वह पारंपरिक धागे में बंधा हो या डिजिटल संदेश में। रक्षाबंधन अब केवल एक पारिवारिक या धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि वैश्विक समाज को जोड़ने वाला एक अद्भुत सांस्कृतिक सूत्र बन चुका है। यही सनातन संस्कृति की विशेषता है — "वसुधैव कुटुंबकम्"

महाशक्ति बनने की तरफ कदम... भारत की अमेरिका से हथियार रोकने की रिपोर्ट पर पाक एक्सपर्ट का रिएक्शन, की बड़ी भविष्यवाणी

एजेंसी इस्लामाबाद

एक मीडिया संस्थान ने दावा किया है कि भारत ने अमेरिका से हथियार और विमान खरीदने की अपनी योजना को टाल दिया है। साथ ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आगामी वॉशिंगटन दौरा भी रद्द कर दिया गया है। कहा गया है कि डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशक टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद भारत की ओर से यह कदम उठाया गया है। भारत सरकार ने हालांकि इस रिपोर्ट का खंडन किया है लेकिन इसने दुनिया का ध्यान खींचा है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट ने इसे साहसिक फैसला बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है। उन्होंने इसे भारत का महाशक्ति बनने की ओर कदम कहा है। पाकिस्तान के लेखक और राजनीतिक विश्लेषक जावेद हसन ने अमेरिका के सामने कड़े फैसले लिए भारत सरकार को सराहा है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर और पीएम शहबाज शरीफ डोनाल्ड ट्रंप के सामने नतमस्तक दिख रहे हैं। वहीं भारत अपने लोगों के हितों का ध्यान रखते हुए फैसले ले रहा है। जावेद ने भारत के अमेरिका से हथियार खरीद रोकने की खबर को ट्वीट करते हुए लिखा, 'इसके लिए जिसको श्रेय देना चाहिए, वह नरेंद्र मोदी हैं। घुटने नहीं टेकने के लिए उनकी तारीफ होनी चाहिए। उन्होंने दिखाया है कि संप्रभुता पहले आती है, उसके बाद ही सच्ची समृद्धि आती है। भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करता है और धैर्य बनाए रखता है तो यह एक उभरती हुई शक्ति बनने की दिशा में उसके लिए एक निर्णायक क्षण होगा। जावेद हसन अक्सर भारत से जुड़े मामलों पर टिप्पणी करते रहते हैं। इससे पहले रूस से तेल खरीद जारी रखने के फैसले के लिए भी उन्होंने भारत सरकार को सराहा था। हसन ने कहा कि भारत ने कड़े फैसले लिए और ट्रंप की धौंस के आगे नहीं झुका। ऐसा हुआ क्योंकि वहां किसी एक शख्स का हुक्म नहीं चलता बल्कि संस्थागत प्रक्रियाओं के माध्यम से फैसले लिए जाते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट में दावा किया गया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जल्दी ही अमेरिका की यात्रा करने वाले थे। इस दौरान भारत की तरफ से कुछ हथियार खरीद की घोषणा के होनी थी। इसमें दूसरे हथियारों के साथ लड़ाकू विमान भी शामिल थे। यह रक्षा सौदा करीब 31,500 करोड़ रुपए का था, जिसे फिलहाल रोक दिया है। हालांकि बाद में भारत के रक्षा मंत्रालय ने साफ किया कि कोई हथियार खरीद नहीं रोकी गई है।

चीनी सेना दोस्तों का साथ देगी... पाकिस्तान को Z-10ME अटैक हेलीकॉप्टर देने पर PLA का खुलासा, भारत को खतरे पर दिया जवाब

एजेंसी बीजिंग

पाकिस्तानी सेना ने चीन से मिले Z-10ME अटैक हेलीकॉप्टरों को अपने बेड़े में शामिल कर लिया है। चीन ने Z-10 देने के लिए सबसे पहले देश के तौर पर पाकिस्तान को चुना है। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि इस हेलीकॉप्टर की मारक क्षमता पाकिस्तान की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करेगी। माना जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद मुश्किलों का सामना कर रही पाकिस्तान आर्मी ने इस हेलीकॉप्टर को भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए लिया है। इस पर चीन की ओर से सफाई आई है। पाकिस्तानी सेना में Z-10ME अटैक हेलीकॉप्टर के शामिल होने पर चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि चीन अपने रक्षा उपकरण विकास की उपलब्धियों को पाकिस्तान सहित मित्र देशों के साथ साझा करने को तैयार है। इससे भारत को खतरे की बात पर उन्होंने कहा कि चीन-पाकिस्तान रक्षा सहयोग से किसी तीसरे पक्ष (भारत) को नुकसान नहीं है। चीन अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पाक मीडिया ने बताया है कि असीम मुनीर की मौजूदगी में हुए कार्यक्रम में अत्याधुनिक Z-10ME अटैक हेलीकॉप्टर को पाकिस्तानी सेना में शामिल किया गया। उन्नत रडार प्रणालियों और अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक युद्ध उपकरणों से लैस Z-10ME विभिन्न हवाई और जमीनी खतरों से निपटने की सेना की क्षमता रखता है। Z-10ME चीन के Z-10 हेलीकॉप्टर का आधुनिक वर्जन है। इसमें इंजन, सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और बचाव के लिए नए सिस्टम लगाए गए हैं। चीनी सूत्रों का कहना है कि यह Z-10 का सबसे आधुनिक रूप है, जो पहले बने हेलीकॉप्टरों से बेहतर है। इस हेलीकॉप्टर को खराब मौसम में काम करने के लिए बनाया गया है। चीनी रक्षा एक्सपर्ट का कहना है कि J-10CE जैसे स्थिर-पंख वाले विमानों की तुलना में Z-10ME हेलीकॉप्टर वर्टिकल उड़ान भर सकता है। इससे समर्पित हवाई अड्डों की आवश्यकता के बिना तैनाती अधिक लचीली हो जाती है। Z-10ME को पारंपरिक सुरक्षा अभियानों के लिए रॉकेट, टैंक-रोधी मिसाइलों और हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों से लैस किया जा सकता है। एविएशन इंडस्ट्री कॉर्पोरेशन ऑफ चाइना (AVIC) ने Z-10 अटैक हेलीकॉप्टर को पहली बार अपने देश के बाहर फरवरी 2024 में सिंगापुर एयरशो में प्रदर्शित किया था। उससे पहले ही पाकिस्तान ने इस हेलीकॉप्टर में अपनी दिलचस्पी जता दी थी। पाकिस्तान की सेना ने खासतौर से ऑपरेशन सिंदूर के बाद अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान दिया है, जिसमें चीन से उसे मदद मिल रही है।

पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति पुतिन के बीच हुई बात, ट्रंप के टैरिफ विवाद के बीच किस मुद्दे पर हुई चर्चा

एजेंसी नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री को यूक्रेन से संबंधित हाल के घटनाक्रमों से अवगत कराया। पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की। भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ऐसे में दोनों नेताओं की बीच हुई यह बातचीत काफी अहम मानी जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण दिया। इससे पहले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने पुतिन के भारत यात्रा की पुष्टि की थी। हालांकि, पुतिन की भारत यात्रा की फाइनल तारीख की घोषणा नहीं हुई थी। पुतिन की यह यात्रा अमेरिका-भारत के बीच चल रहे ट्रेड वॉर के बीच होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से भारत पर रूस से ऊर्जा और रक्षा आयात कम करने के लिए दबाव डालने के प्रयासों किए जा रहे हैं। अब तो ट्रंप ने भारत पर जुर्माने के रूप में 25 फीसदी अधिक टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। वहीं, विदेश मंत्री एस जयशंकर भी जल्द ही मास्को की यात्रा पर जाने वाले हैं। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी की गुरुवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा से टेलीफोन पर बात हुई थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने पिछले महीने ब्रासीलिया में हुई अपनी बैठक को याद किया। मीटिंग में व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा, कृषि, स्वास्थ्य और लोगों के बीच संबंधों सहित प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक ढांचे पर सहमत हुए थे।गुरुवार की बातचीत उन्हीं चर्चाओं पर आधारित थी। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के अपने संकल्प को दोहराया। पीएम मोदी ने एक्स पर ट्वीट कर ब्राजीली राष्ट्रपति से बातचीत को 'अच्छा' बताया था। उन्होंने लिखा था कि राष्ट्रपति लूला के साथ अच्छी बातचीत हुई। वैश्विक दक्षिण के देशों के बीच एक मज़बूत, जन-केंद्रित साझेदारी से सभी को लाभ होता है।

पीएम मोदी SCO बैठक में होंगे शामिल, खबर सुनते ही खुश हो गया चीन, जिनपिंग के भोंपू ने शुरू कर दी भारत की तारीफ

एजेंसी बीजिंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस महीने के आखिर में शंघाई सहयोग संगठन (SCO) के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए चीन का दौरा कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी पक्ष ने आधिकारिक तौर पर पीएम मोदी की यात्रा को लेकर पुष्टि नहीं की है लेकिन सरकार के सूत्रों का कहना है कि शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर तैयारियां चल रही हैं। एससीओ शिखर सम्मेलन चीन के तियानजिन में 31 अगस्त-1 सितम्बर को हो रहा है, जिसकी मेजबानी शी जिनपिंग करने वाले हैं। पीएम मोदी के दौरे की खबरों को चीनी मीडिया खुश नजर आ रहा है। चीन की सरकार के मुखपत्र कहे जाने वाले ग्लोबल टाइम्स ने तो इस पर पूरा लेख दिया है। ग्लोबल टाइम्स ने पीएम मोदी के संभावित दौरे की खबर के साथ भारत-चीन के संबंधों को फिर से बेहतर करने पर जोर दिया है। इसमें अमेरिकी पत्रिका द डिप्लोमैट की टिप्पणी का हवाला दिया गया कि अब समय आ गया है कि दोनों पड़ोसी एक और दौर की बातचीत की संभावना तलाशें। इसमें कहा गया है कि चीन और भारत मिलकर दुनिया की एक तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं और दोनों की अर्थव्यवस्थाएं और उनका प्रभाव बढ़ रहा है। भारत और चीन के संबंधों में उतार 2020 में गलवान में सीमा संघर्ष के बाद आया, जिसके बाद रिश्तों में लंबे समय तक उदासी रही। अक्टूबर 2024 में कजान में चीनी और भारतीय नेतृत्व के बीच बैठक ने संबंधों को फिर से शुरू करने की नींव रखी। ग्लोबल टाइम्स ने इन घटनाक्रमों का जिक्र किया और कहा कि चीन और भारत एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं बल्कि विकास का अवसर हैं। प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि सहयोगी साझेदार हैं। लेख में कहा गया है कि इस साल जून से भारतीय एनएसए अजीत डोभाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस सुब्रण्यम चीन का दौरा कर चुके हैं, जो हाल के वर्षों में इस स्तर का अहम जुड़ाव है। दोनों पक्षों की तरफ से एक-दूसरे के नागरिकों की आवाजाही शुरू करने के लिए उठाए गए कदमों ने सकारात्मक संकेत दिए हैं। ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि अगर पीएम मोदी इस बार चीन की यात्रा करते हैं तो यह चीन-भारत संबंधों में सकारात्मक गति को मजबूत करने का एक और अनुकूल अवसर प्रदान करेगा। इसमें आगे कहा गया है कि अगर भारत इस यात्रा को अपनी चीन नीति में बदलाव लाने और बाधाओं को दूर करने के अवसर के रूप में ले सकता है, तो चीन-भारत संबंधों के विकास के लिए और भी गुंजाइश होगी। ग्लोबल टाइम्स में कहा गया है कि इस यात्रा को अमेरिका के भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ में महत्वपूर्ण वृद्धि से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन यह एकतरफा नजरिया है। यह आगे कहता है कि चीन और भारत सहयोग किसी तीसरे पक्ष के उद्देश्य से नहीं है। यह मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान वाली दो प्राचीन सभ्यताओं, दो प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं और वैश्विक दक्षिण के प्रमुख सदस्यों के रूप में दोनों देश अपनी आधुनिकीकरण की यात्रा के महत्वपूर्ण चरणों में हैं। चीन-भारत संबंधों में हालिया गर्मजोशी का जिक्र करते हुए कहा गया है कि चीन को नियंत्रित करने के लिए वॉशिंगटन का नई दिल्ली को अपनी तथाकथित हिंद-प्रशांत रणनीति में शामिल करने का प्रयास भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के अनुरूप नहीं है।

दक्षिण चीन सागर में टकराव ना बढ़ाएं... चीनी सेना की भारत-फिलीपींस को धमकी, कहा- बातचीत के रास्ते पर लौटें

एजेंसी बीजिंग

भारत और फिलीपींस ने दक्षिण चीन सागर में 3-4 अगस्त को शिपिंग और नौसैनिक अभ्यास किया है। दोनों देशों का विवादित जल क्षेत्र में यह पहला साझा अभ्यास है। चीन भी इस क्षेत्र में चीन अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिशों में लगा है। ऐसे में चीन ने इस अभ्यास पर एतराज जताया है। खासतौर से फिलीपींस को चीन ने धमकाने की कोशिश की है। चीन ने कहा है कि फिलीपींस किसी दूसरे देश (भारत) के साथ मिलकर इस क्षेत्र में एक्टिविटी ना करे। चीन ने कहा है कि दक्षिण चीन सागर में टकराव को बढ़ाने की कोशिश हो रही है, जो कि ठीक नहीं है। खासतौर से हुआंगयान दाओ के पास फिलीपींस-भारत के जहाजों का आना ठीक नहीं है। चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को एक प्रेस वार्ता में कहा, 'हम दक्षिण चीन सागर मुद्दे को भड़काने के लिए की जाने वाली गतिविधि का विरोध करते हैं।' चीनी रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि हमारा मानना है संबंधित देशों (भारत-फिलीपींस) के बीच सैन्य सहयोग का मकसद किसी तीसरे पक्ष को निशाना बनाना नहीं होना चाहिए। ऐसे कदम नहीं उठाए जाने चाहिए, जिससे क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को कमजोर पड़े। फिलीपींस अपने फायदे के लिए बाहरी ताकतों को उकसाता रहता है। इस तरह की कार्रवाइयां शांति, विकास और स्थिरता के उलट हैं। जियांग ने आगे कहा, 'हम चाहते हैं कि फिलीपींस अपने उकसावे और दुष्प्रचार को बंद करे। दक्षिण चीन सागर में समस्याएं पैदा करने के लिए दूसरों के साथ मिलकर काम करना बंद करे, और बातचीत से मतभेदों को सुलझाने के सही रास्ते पर लौटे।' रक्षा मंत्रालय से पहले चीनी सेना की दक्षिणी थियेटर कमान की ओर से कहा गया कि उसने दक्षिण चीन सागर में नियमित गश्त की है। वह चीन के क्षेत्र और समुद्री अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए दृढ़ संकल्प है। भारत और फिलीपींस ने एक नई रणनीतिक साझेदारी की भी घोषणा की है। यह जो दोनों देशों के लिए द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की पूर्ण संभावनाओं को साकार करने के लिए एक नई दिशा है। यह साझेदारी शांति, स्थिरता और समृद्धि की दिशा में दोनों देशों के सहयोग को मजबूत करने के लिए है।दोनों देशों ने 2006 में हस्ताक्षरित रक्षा सहयोग समझौते पर आधारित नियमित उच्चस्तरीय संवाद और सैन्य प्रशिक्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया है।

भारत और पाकिस्तान में शांति कराने में ट्रंप सीधे तौर पर शामिल थे... अमेरिकी विदेश मंत्री का बड़ा दावा, साधा निशाना

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने दावा किया है कि भारत और पाकिस्तान में सीजफायर कराने में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीधे तौर पर शामिल थे। उन्होंने यह भी दोहराया कि ट्रंप ने ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया। अमेरिकी विदेश का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब पीएम मोदी ने संसद में कहा था कि उनकी ट्रंप से कोई बातचीत नहीं हुई थी। साथ ही भारत और पाकिस्तान के बीच डीजीएमओ लेवल पर हुई बातचीत के बाद सीजफायर किया गया था। इसमें किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं थी। इससे पहले ट्रंप भी 30 से ज्यादा बार दावा कर चुके हैं कि उन्होंने दक्षिण एशिया के दो परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति कराई थी। मार्को रुबियो ने EWTN को दिए इंटरव्यू में कहा कि ट्रंप शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं और एक शांति के राष्ट्रपति हैं। रुबियो ने कहा, 'हमने देखा कि जब भारत और पाकिस्तान दोनों युद्ध में गए तो हम सीधे तौर पर शामिल हो गए। राष्ट्रपति शांति स्थापित करने में सफल रहे।' अमेरिकी विदेश मंत्री ने बताया कि ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान ही नहीं कई और संघर्ष को खत्म कराने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि कंबोडिया और थाईलैंड, आर्मेनिया और अजरबैजान में शांति कराई। ट्रंप ने 10 मई के बाद से कई बार अपने इस दावे को दोहराया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनाव 'समाप्त' करने में मदद की और दोनों देशों से कहा कि यदि वे संघर्ष रोक दें तो अमेरिका उनके साथ 'बहुत सारा व्यापार' करेगा। वहीं भारत लगातार यह कहता रहा है कि पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव समाप्त करने पर सहमति दोनों सेनाओं के सैन्य संचालन महानिदेशकों (डीजीएमओ) के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। रुबियो ने कहा कि ट्रंप शांति के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह 'शांति के राष्ट्रपति' हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि उन्हें इन पहलों पर गर्व है। उन्होंने कहा, 'हम युद्धों को रोकने और समाप्त करने में काफी समय समर्पित करते हैं।' इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत के खिलाफ नई नीति ने दोनों देशों के बीच पिछले दो दशकों से चली आ रही रणनीतिक साझेदारी में तनाव पैदा कर दिया है। ट्रंप प्रशासन ने भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात को लेकर भारतीय सामानों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, जबकि चीन के रूस के साथ ऊर्जा व्यापार पर नरमी बरती जा रही है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में गुरुवार को दी गई। 'इंडिया नैरेटिव' की एक रिपोर्ट के अनुसार, नई दिल्ली ने स्पष्ट कर दिया है कि वह 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा जरूरतों को अमेरिका के दबाव में नहीं आने देगा। विदेश मंत्रालय ने अमेरिका की दोहरी नीति की आलोचना करते हुए कहा कि पश्चिमी देश भी रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। भारत ने स्पष्ट किया कि वह अपनी स्वतंत्र नीति पर चलेगा, न कि अमेरिका के अधीन।

पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर अली को होगी उम्रकैद की सजा 24 साल की उम्र में करियर तबाह!

एजेंसी नई दिल्ली

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के युवा खिलाड़ी हैदर अली एक बड़ी मुश्किल में फंस गए हैं। हैदर अली पर इंग्लैंड में कथित तौर पर रेप का आरोप लगा है। हैदर अली की उम्र सिर्फ 24 साल है और वह पाकिस्तान के लिए 37 इंटरनेशनल मैचों में मैदान पर उतर चुके हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी उन्हें तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, राहत की बात ये है कि अरेस्ट होने के बाद उन्हें जमानत मिल गई, लेकिन उनके लिए मुश्किलें कम नहीं हुई है। बता दें कि ये मामला पिछले महीने 23 जुलाई की है जब ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस ने हैदर अली को रेप के आरोप में गिरफ्तार किया था। इसके बाद उनसे कड़ी पूछताछ की गई और बाद में उन्हें जमानत पर रिहा किया गया, लेकिन वह इस गंभीर आरोप से पूरी तरह बरी नहीं हुए हैं। ऐसे में आइए जानते हैं अगर हैदर अली पर रेप के आरोप साबित हो जाते हैं तो उन्हें क्या सजा मिल सकती है। इंग्लैंड के में रेप जैसे दुष्कर्म के लिए कड़ी सजा का प्रावधान है। इसमें आरोपी को अधिकतम उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है। हालांकि, इस दौरान अपराध की गंभीरता को भी ध्यान में रखा जाता है। अगर किसी व्यक्ति ने क्रूरता पूर्वक किसी को हानि पहुंचाई हो, जिसमें रेप से मामले हैं तो फिर उसको उम्रकैद की सजा होनी तय है। यही कारण है कि हैदर अली के लिए जमानत मिलने के बावजूद मुश्किलें कम नहीं हुई है। हैदर अली हाल ही में पाकिस्तान शाहीन टीम की तरफ से इंग्लैंड दौरे पर गए थे। पुलिस ने उन्हें तब गिरफ्तार किया जब वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ मैच खेल रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक केंट काउंटी के बैकेनहेम ग्राउंड में मैच के दौरान ही ग्रेटर मैनचेस्टर की पुलिस उन्हें उठाकर ले गई।

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

एजेंसी नई दिल्ली

वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार से तीन वनडे मैचों की सीरीज शुरू हो रही है। वेस्टइंडीज को सीरीज की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड पूरी सीरीज से बाहर हो गए हैं। 22 साल के मैथ्यू फोर्ड बुधवार को अभ्यास सत्र के दौरान कैच पकड़ने की कोशिश में अपना कंधा चोटिल कर बैठे। उनकी इंजरी गंभीर है और उन्हें वनडे सीरीज से बाहर होना पड़ा है। इसकी पुष्टि क्रिकेट वेस्टइंडीज ने की है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपने बयान में मैथ्यू फोर्ड के इंजरी की वजह से वनडे सीरीज से बाहर होने और उनकी जगह ऑलराउंडर जोहान लेने को टीम में जगह दिए जाने की पुष्टि की है। 21 साल के जोहान लेने का प्रदर्शन साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ अच्छा रहा था। उसी प्रदर्शन के दम पर उन्हें राष्ट्रीय टीम में मौका दिया गया है। वह तेज गेंदबाजी के बेहतर विकल्प साबित हो सकते हैं। वेस्टइंडीज का हालिया प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में 0-3 से करारी हार झेलने के बाद टी20 सीरीज में भी 0-5 से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पाकिस्तान से भी टीम टी20 सीरीज 1-2 से हारी। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में टीम कैसा प्रदर्शन करती है। इस पर वेस्टइंडीज टीम मैनेजमेंट की नजर है।

सच्चा देशभक्त और सच्चा मुसलमान... अंग्रेज दे रहे थे ऐसा गिफ्ट, मोहम्मद सिराज ने मुंह पर किया मना

एजेंसी नई दिल्ली

टीम इंडिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की सीरीज 2-2 से ड्रॉ करा ली। इस सीरीज के आखिरी मुकाबले में टीम इंडिया ने 6 रन से जीत दर्ज की। जिसके असली हीरो मोहम्मद सिराज रहे। सिराज ने आखिरी पारी में 5 विकेट हासिल किए। इस मैच में तगड़े प्रदर्शन के बाद मोहम्मद सिराज को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। हालांकि सिराज ने ओवल टेस्ट में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार जीतने के बाद एक खास तोहफा लेने से मना कर दिया। मैन ऑफ द मैच बनने के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ECB) ने उन्हें शैम्पेन की बोतल भेंट की थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं किया। सिराज के ऐसा करने की वजह उनका धर्म है। वह इस्लाम को मानते हैं और इस्लाम में शराब पीना मना है। ओवल टेस्ट जीतने के बाद ECB ने 'प्लेयर ऑफ द मैच' जीतने वाले खिलाड़ियों को शैम्पेन की बोतलें दीं। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। उन्होंने शैम्पेन की बोतल स्वीकार की। मोहम्मद सिराज ने शैम्पेन की बोतल इसलिए नहीं ली क्योंकि वह एक धार्मिक मुस्लिम हैं। इस्लाम में शराब पीने की मनाही है। इस्लामिक कानून भी इसे गलत मानता है। सिराज के इस फैसले से उनकी धार्मिक मान्यताओं का पता चलता है। सिराज आईपीएल 2025 सीजन से पहले हज यात्रा पर भी गए थे। हज मुसलमानों के लिए एक पवित्र तीर्थयात्रा है। इसे इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक माना जाता है। सिराज और उनके परिवार के लिए धर्म कितना महत्वपूर्ण है, यह इस बात से पता चलता है। मोहम्मद सिराज का पूरा परिवार इस्लाम को सख्ती से मानता है। उनकी मां भी धार्मिक हैं। सिराज अपने परिवार के साथ सभी धार्मिक नियमों का पालन करते हैं।

एशिया कप 2025 में ये 5 ऑलराउंडर अकेले पलट सकते हैं बाजी, एक ने तो भारत को बनाया है विश्व विजेता

एजेंसी नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात यानी यूएई में हो रहा है। टूर्नामेंट T20 फॉर्मेट में खेला जाएगा, जिसमें कुल आठ टीमें हिस्सा लेगी और उन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। एशिया में भारतीय टीम का पहला मैच यूएई के खिलाफ 10 सितंबर को होगा। ऐसे में आइए जानते हैं इस टूर्नामेंट में उन पांच ऑलराउंडर खिलाड़ियों के बारे में जो इस बार धूम मचा सकते हैं। इस लिस्ट में पहले स्थान पर भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या का नाम सामने आता है। हार्दिक मौजूदा समय में लिमिटेड ओवरों के सबसे बेहतरीन पेस बॉलिंग ऑलराउंडर हैं। वह ना सिर्फ अपनी गेंदबाजी में बल्कि बल्लेबाजी में भी टीम के लिए अहम भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि एशिया कप में अगर हार्दिक पंड्या का बल्ला चला तो फिर तबाही मचनी तय है। अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी पर भी एशिया कप 2025 में सबकी नजर रहेगी। मोहम्मद नबी को भी लिमिटेड ओवरों में सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। मोहम्मद नबी ने करियर की बात करें तो वह अभी तक अफगानिस्तान के लिए 132 टी20 मैचों में 2237 रन बनाने के अलावा गेंदबाजी में 97 विकेट ले चुके हैं। उनके इस आंकड़े से पता चलता है कि नबी अगर अपने फॉर्म में रहे तो फिर किसी भी टीम के लिए मुश्किल खड़ी हो सकते हैं। ऐसे ही एक और ऑलराउंडर हैं दीपेंद्र सिंह ऐरी। नेपाल का यह खिलाड़ी अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में धूम मचाने की क्षमता रखते हैं। दीपेंद्र के नाम टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी लगाने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। वे एक ओवर में छह छक्के लगाने का कारनामा भी कर चुके हैं। यही वजह है कि वह एशिया कप में उन्हें ऑलराउंडर के तौर पर एक्स फैक्टर माना जा रहा है। टी20 फॉर्मेट का एक ऐसा ऑलराउंडर जिन्होंने सबसे तेज 100 विकेट लेने का अद्भुत रिकॉर्ड अपने नाम किया है। एशिया कप में अगर वह चोटिल नहीं रहे तो निश्चित रूप में श्रीलंकाई टीम में होंगे। ऑलराउंडरों की बात करें तो निचले क्रम में बैटिंग करते हुए हसरंगा कभी भी मैच पलटने की क्षमता रखते हैं। इस लिस्ट में पांचवें ऑलराउंडर हैं पाकिस्तान के शादाब खान। शादाब खान ने पाकिस्तान के लिए कई अहम मैचों में अपने दमदार खेल से मैच को पलटने का कारनामा किया है। स्पिन गेंदबाजी के साथ शादाब ने बल्लेबाजी में भी अपनी टीम के लिए मोर्चा संभाला है। खास तौर से मध्यक्रम में तो उन्होंने पाकिस्तान के लिए कई महत्वपूर्ण पारियां खेली है।

संजू सैमसन जाएंगे कोलकाता नाइटराइडर्स आकाश चोपड़ा ने बताया क्यों बेताब होगी शाहरुख खान की टीम

एजेंसी नई दिल्ली

आईपीएल 2026 से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। लंबे समय से राजस्थान रॉयल्स से जुड़े संजू सैमसन अगले सीजन में टीम से अलग हो सकते हैं। सैमसन को लेकर पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने महत्वपूर्ण बयान दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सैमसन ने खुद टीम राजस्थान रॉयल्स से उन्हें रिलीज करने या फिर ट्रेड करने का आग्रह किया है। सैमसन की मुलाकात अमेरिका में आयोजित मेजर लीग क्रिकेट के दौरान सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग से हुई थी। इसके बाद से ही अटकलें हैं कि वह सीएसके का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि, पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज और लोकप्रिय कमेंटेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि राजस्थान के कप्तान को हासिल करने के लिए एक दूसरी टीम ज्यादा बेताब है। अपने यूट्यूब चैनल पर आकाश चोपड़ा ने कहा, 'मेरे दिमाग में सबसे पहला नाम सीएसके का नहीं है। केकेआर का है। केकेआर ज्यादा बेताब टीम होनी चाहिए। कोलकाता के पास कोई भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज नहीं है। इससे उनके हाथ बंधे हुए हैं। दूसरी बात, अगर आपको कोई कप्तान मिल जाए तो इसमें क्या बुराई है?' आकाश चोपड़ा ने हालांकि आईपीएल 2025 में कोलकाता की कप्तानी करने वाली अजिंक्य रहाणे की तारीफ की। आकाश चोपड़ा ने कहा कि अजिंक्य रहाणे ने पिछले सीजन कप्तानी और बल्लेबाजी अच्छी की, लेकिन उनकी उम्र को देखते हुए केकेआर सैमसन पर गंभीरता से विचार कर सकती है। टीम की बल्लेबाजी में लचीलेपन और विकेटकीपर के रूप में गहराई की कमी को सैमसन मजबूत कर सकते हैं। आकाश ने कहा कि केकेआर वेंकटेश अय्यर को रिलीज कर 24 करोड़ बचा सकता है और टीम में बदलाव ला सकता है। आकाश चोपड़ा ने कहा कि पिछले साल जब आरआर ने खिलाड़ियों को रिटेन किया, तो जोस बटलर को जाने दिया और संजू को रोक लिया। अब आरआर के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी जैसे युवा खिलाड़ी हैं, जो ओपनिंग कर सकते हैं। ध्रुव जुरेल को भी ऊपर खिलाया जा सकता है। इसी वजह से शायद सैमसन ने टीम से अलग होने का मन बनाया होगा। राजस्थान रॉयल्स और संजू सैमसन का साथ बहुत पुराना है। पहली बार सैमसन 2013 से 2015 तक टीम का हिस्सा थे। इसके बाद 2018 से वह लगातार टीम के साथ हैं और 2022 से टीम के कप्तान हैं। सैमसन एक कप्तान, विकेटकीपर और ओपनर बल्लेबाज का बेहतरीन विकल्प हैं। अगर आरआर उन्हें रिलीज या ट्रेड करती है तो सीएसके, केकेआर जैसी टीम निश्चित रूप से उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहेगी। 176 आईपीएल मैचों में सैमसन ने 3 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए 4,704 रन बनाए हैं।

व्यापार

अमेरिका 1, सिंगापुर 2, नॉर्वे 3... इस लिस्ट को देख ट्रंप पकड़ लेंगे माथा, भारतीय शेयर मार्केट में अमेरिकियों का बढ़ा भरोसा

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। पिछले महीने जब उन्होंने 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था तब भारत की इकोनॉमी को डेड बताया था। यानी ट्रंप की नजर में भारत की इकोनॉमी मरी हुई है। लेकिन उन्हें शायद नहीं पता कि भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में काफी तेजी से आगे बढ़ रही है। ट्रंप को भारत की अर्थव्यवस्था बेशक पसंद न आ रही हो, लेकिन अमेरिकी भारतीय अर्थव्यस्था के दीवाने हैं। इसका उदाहरण भारत की शेयर मार्केट में देखने को मिलता है। भारतीय शेयरों में विदेशी निवेश के मामले में अमेरिका पहले स्थान पर पहुंच गया है। भारत के फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट (एफपीआई) में अमेरिका की हिस्सेदारी 30 फीसदी से ज्यादा हो गई है। इस लिस्ट में सिंगापुर दूसरे स्थान पर है। यानी अमेरिका के बाद सिंगापुर के लोगों का सबसे ज्यादा पैसा भारतीय शेयर मार्केट में लगा है। अमूल, पारले, गोदरेज... अमेरिका के टैक्स से बचने के लिए भारतीय कंपनियों से ढूंढ लिया 'जुगाड़' ! उठा सकती हैं ये कदम अमेरिकियों का भारतीय अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ रहा है। यही कारण है कि वे भारत की शेयर मार्केट में अमेरिकी जमकर निवेश कर रहे हैं। अप्रैल-जून 2025 तिमाही के दौरान भारतीय शेयरों में एफपीआई के निवेश के मामले में अमेरिका ने सिंगापुर को पीछे छोड़ दिया है देश की कुल एफपीआई होल्डिंग में अमेरिकी एफपीआई की हिस्सेदारी 31.04% रही, जो किसी भी दूसरे देश के मुकाबले सबसे ज्यादा है। इस दौरान सिंगापुर की हिस्सेदारी 28.11% रही। पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) में सिंगापुर अमेरिका से थोड़ा आगे था। भारत-अमेरिका टैरिफ विवाद के बीच अमेरिकी एफपीआई का भारतीय शेयर मार्केट में भरोसा बढ़ना दर्शाता है कि भारतीय इकोनॉमी डेड नहीं है। भारत में एफपीआई होल्डिंग के मामले में टॉप 10 देशों में अमेरिका, सिंगापुर, नॉर्वे, मॉरीशस, केमैन आइलैंड, लग्जमबर्ग, यूएई, कतर, ब्रिटेन और जापान शामिल हैं। एफपीआई में 90 फीसदी हिस्सेदारी टॉप 5 देशों की है। यह हिस्सेदारी इस प्रकार है:

अमेरिका: 31.04%
सिंगापुर: 28.11%
नॉर्वे: 15.40%
मॉरीशस: 11.25%
केमैन आईलैंड: 4.08%

आईपीओ में जमकर निवेश
प्राइमरी मार्केट में भी विदेशी निवेशक (एफपीआई) जमकर पैसा निवेश कर रहे हैं। प्राइमरी मार्केट में एफपीआईका निवेश सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। जुलाई महीने में एफपीआई ने 1.7 अरब डॉलर यानी करीब 14,247 करोड़ रुपये का निवेश किया। प्राइमरी मार्केट में आईपीओ और प्राइवेट प्लेसमेंट शामिल होते हैं।

अमूल, पारले, गोदरेज... अमेरिका के टैक्स से बचने के लिए भारतीय कंपनियों से ढूंढ लिया `जुगाड़'! उठा सकती हैं ये कदम

एजेंसी नई दिल्ली

भारत के कुछ बड़े सामान बनाने वाली कंपनियां जैसे अमूल और ITC अमेरिका को सामान भेजने के लिए नए तरीके खोज रही हैं। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार वे ऐसे देशों में फैक्ट्री लगा सकती हैं जहां टैक्स कम लगता है। या फिर वे अमेरिका में ही फैक्ट्री लगा सकती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका ने भारत से आने वाले सामान पर टैक्स बढ़ा दिया है। पारले प्रोडक्ट्स, AWL एग्री बिजनेस और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स जैसी कंपनियां भी अमेरिका में आटा, नूडल्स, बिस्कुट, फ्रोजन फूड और डेयरी प्रोडक्ट्स बेचती हैं। ये सामान ज्यादातर उन दुकानों पर मिलते हैं जो भारतीय लोगों के लिए हैं जो अमेरिका में रहते हैं। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर लगने वाले टैक्स को दोगुना करके 50% कर दिया था। इससे भारत के सामान बेचने वालों को चिंता हो रही है कि इसका उन पर क्या असर होगा। हालांकि, ज्यादातर कंपनियों के लिए अमेरिका को किया जाने वाला एक्सपोर्ट, उनकी कुल कमाई का छोटा सा हिस्सा ही है। लेकिन यह लगातार बढ़ रहा था। अमूल कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जयेन मेहता ने कहा कि अमूल पहले से ही अमेरिका में दूध बना और बेच रही है। इससे उन्हें सस्ता पड़ता है। अब वे पनीर, चीज़ और बटर भी वहीं बनाने की सोच रहे हैं। वे इसे भारत से भेजने के बजाय अमेरिका में ही बनाना चाहते हैं। जयेन मेहता ने कहा कि डेयरी प्रोडक्ट्स पर पहले से ही अमेरिका में 60-70% टैक्स लगता है। अब डोनाल्ड ट्रंप ने जो नया टैक्स लगाया है, उससे भारत से सामान भेजना महंगा हो जाएगा। एक कंपनी के अधिकारी ने बताया कि ITC दुबई से बिस्कुट, फ्रोजन फूड, झींगे और रेडी-टू-ईट प्रोडक्ट्स भेज सकती है। वे कुछ महीने बाद फैसला करेंगे कि अमेरिका भारत पर ज्यादा टैक्स लगाना जारी रखता है या नहीं। ITC अभी दुबई में आटा पैक करती है और उसे अमेरिका भेजती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत में गेहूं और गेहूं से बने सामान को बाहर भेजने पर रोक है। अमेरिका ने यूएई पर 10% और मेक्सिको पर 25% टैक्स लगाया है। एयर कंडीशनर बनाने वाली कंपनी ब्लू स्टार के मैनेजिंग डायरेक्टर बी. त्यागराजन ने कहा कि उनके पास मेक्सिको में फैक्ट्री लगाने का विकल्प है। इससे वे अमेरिका को सामान बेच सकेंगे।

जानबूझकर गलती न करने वालों को नहीं देना होगा जुर्माना, नए इनकम टैक्स बिल में मिल सकती हैं कई छूट

एजेंसी नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को इनकम टैक्स बिल 2025 को वापस ले लिया। यह बिल 13 फरवरी को लोकसभा में पेश किया गया था। इसका मकसद इनकम टैक्स एक्ट, 1961 को बदलना था। अब एक नया बिल आएगा। इसमें बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय समिति के सुझाव शामिल होंगे। कुल 285 सुझाव दिए गए थे। नया बिल 11 अगस्त को पेश किया जाएगा। इनकम टैक्स बिल 2025 का लक्ष्य भारत के टैक्स सिस्टम को आसान बनाना था। यह छह दशक पुराने कानून को बदलने वाला था। इसमें टैक्स स्लैब में बदलाव, डिजिटल टैक्स के नियम, विवादों को सुलझाने के तरीके और टैक्स भरने वालों की संख्या बढ़ाने के लिए डेटा और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की बात थी। लेकिन, संसदीय समिति ने इस बिल पर कुछ सुझाव दिए। इसलिए इसमें कुछ बदलाव किए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि बिल को वापस लेने का मकसद है कि लोगों को अलग-अलग वर्जन से कोई कंफ्यूजन न हो। अब एक ऐसा बिल पेश किया जाएगा जिसमें सभी बदलाव शामिल होंगे। 31 सदस्यों वाली संसदीय समिति ने एक रिपोर्ट दी है। यह रिपोर्ट 4575 पेज की है। इसमें कुछ छोटी गलतियों को ठीक करने और 32 बड़े बदलाव करने के सुझाव दिए गए हैं। कुछ खास बदलाव जो सुझाए गए हैं, वे इस प्रकार हैं: समिति ने बेनिफिशियल ओनर की परिभाषा में बदलाव करने को कहा है। इसका मतलब है कि जो लोग टैक्स के साल में शेयरों से सीधा या घुमा-फिराकर फायदा लेते हैं, वे नुकसान को कैरी फॉरवर्ड कर सकते हैं। समिति ने यह भी कहा है कि कंपनियों को आपस में मिलने वाले डिविडेंड पर टैक्स में छूट मिलनी चाहिए। यह छूट पहले बिल में नहीं थी। एक स्टैंडर्ड 30% की छूट का भी प्रस्ताव है। यह छूट म्युनिसिपल टैक्स घटाने के बाद मिलेगी। इसके अलावा प्रॉपर्टी बनने से पहले के ब्याज पर भी छूट मिल सकती है, अगर प्रॉपर्टी किराए पर दी गई हो।

राखी बांधने के लिए कुछ ही घंटे का शुभ मुहूर्त, दोपहर तक राखी बांधना बेहद शुभ

रक्षाबंधन बहन भाई के प्यार का प्रतीक है। बहने इस दिन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख समृद्धि की कामना करती है और भाई बदले में अपनी बहन की रक्षा का वचन देते हैं। बता दें कि रक्षाबंधन का पर्व सावन मास की पूर्णिमा तिथि के दिन मनाया जाता है। इस बार रक्षाबंधन 9 अगस्त शनिवार के दिन मनाया जाएगा। इस दिन शुभ मुहूर्त में राखी बांधना विशेष फलदायी माना जाता है। आइए जानते हैं रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त कब से कब तक रहेगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि का आरंभ 8 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 23 मिनट से होगी और 9 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 25 मिनट तक रहेगी। वैसे तो राखी बांधने के लिए आपके पास पूरे दिन का समय है दरअसल, शास्त्रीय विधान है कि जो तिथि उदय काल में होती है उसी तिथि का अस्त माना जाता है। ऐसे में आप दिन में कभी भी राखी बांध सकते हैं। लेकिन, राखी बांधने के लिए सुबह से दोपहर तक का समय बेहद शुभ रहने वाला है। यहां देखें राखी बांधने का महूर्त। राखी बांधने के लिए उत्तम मुहूर्त

शुभ चौघड़िया सुबह में 7 बजकर 27 मिनट से 9 बजकर 7 मिनट तक। चल चौघड़िया दोपहर में 12 बजकर 27 मिनट से 2 बजकर 5 मिनट तक। राखी बांधने के लिए ये समय भी शुभ लाभ चौघड़िया दोपहर में दोपहर में 2 बजकर 6 मिनट से 3 बजकर 46 मिनट तक। अमृत चौघड़िया दोपहर में 3 बजकर 47 मिनट से 5 बजकर 26 मिनट तक। ऐसे बांधे अपने भाई को राखी रक्षाबंधन के दिन सबसे पहले बने इस बात का ख्याल रखें की राखी बांधते समय दोनों ही भाई बहन अपने सिर को ढक लें । इसके बाद भाई के माथे पर तिलक लगाएं और फिर रक्षा सूत्र बांधे। इसके बाद अपने भाई को मिठाई खिलाएं। फिर आरती की थाली लेकर भाई की आरती उतारें। पुराण के अनुसार, पद्म पुराण के अनुसार, सबसे पहले माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी थी। एक बार राजा बलि ने जब अश्वमेध यज्ञ कराया तो भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर राजा बलि के पास पहुंचे और उनसे तीन पग रति दान में मांग ली। जैसे ही राजा बलि ने उनकी आज्ञा मानी वैसे ही भगवान विष्णु ने अपना आकार बड़ा कर लिया और पूरी धरती तीन पग में ही नाप ली। इसके बाद राजा लि ने उनसे रहने के लिए जगह मांगी तो भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक में वास करने के लिए कहा। राजा बलि ने भगवान विष्णु से वरदान मांगा कि भगवान में जब भी देखूं तो आपको ही देंखू। भगवान ने उन्हें वरदान दे दिया और उनके साथ ही पाताल में वास करने लगे। इधर बैकुंठ में माता लक्ष्मी बहुत ही चिंतित हो गई और उन्होने सारी बात नारद जी से कही। तब नारद जी ने माता लक्ष्मी से कहा कि आप राजा बलि को अपने भाई बनाकर उनसे अपने पति को वापस मांग लीजिए। फिर माता लक्ष्मी भेष बदलकर राजा बलि के पास पहुंची और रोने लगीं तब राजा बलि ने उनसे पूछा की आप क्यों रो रही हैं। तब उन्होंने कहा कि मेरा भाई नहीं है। राजा बलि ने तुरंत कहा कि मैं आपका भाई बनूंगा। फिर माता लक्ष्मी ने राजा बलि को राखी बांधी और उनसे भगवान विष्णु को मांग लिया। पुराणों के अनुसार, सबसे पहले माता लक्ष्मी और राजा बलि ने रक्षाबंधन का पर्व मनाया था। वहीं, भविष्य पुराण के अनुसार, सबसे पहले इंद्र देव की पत्नी इंद्राणी ने रक्षा सूत्र बांधा था। जब देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध चल रहा था तो देवताओं की रक्षा के लिए उन्होंने देव गुरु बृहस्पति और सभी देवताओं को रक्षा सूत्र बांधा था। वही, द्वापर युग में द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को राखी बांधी थी।

रक्षाबंधन पर भाइयों को ही नहीं, इन देवताओं को भी जरूर बांधें राखी, जीवन में पाएंगे हर सुख

हिंदू धर्म में रक्षाबंधन के त्योहार का बहुत खास महत्व होता है। यह दिन हर भाई और बहन के लिए बेहद विशेष होता है। इस मौके पर बहन अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है। वहीं, रक्षाबंधन पर देवताओं को राखी बांधने की परंपरा भी लंबे समय से चली आ रही है। मान्यता है की रक्षाबंधन पर देवताओं को राखी बांधने से वो जातक के जीवन में सारे सुख प्रदान करते हैं और पूरे वर्ष जीवन में आने वाली परेशानियों और संकटों से भी बचाए रखते हैं। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि रक्षाबंधन पर किन-किन देवताओं को रक्षा सूत्र अवश्य बांधना चाहिए। सावन मास की पूर्णिमा के दिन मनाया जाने वाला त्योहार रक्षाबंधन बहुत खास होता है। यह सावन का अंतिम दिन होता है। ऐसे में भगवान शिव को राखी जरूर बांधनी चाहिए। माना जाता है कि रक्षाबंधन पर भोले बाबा को राखी बांधने से उनका विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है और इससे जीवन में हर सुख प्राप्त होता है। ऐसे में राखी के दिन आप भगवान शिव को हरे रंग का रक्षा सूत्र बांध सकते हैं। ऐसा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। रक्षाबंधन के विशेष अवसर पर भगवान को जरूर रक्षा सूत्र बांधना चाहिए। हिंदू धर्म में गणपतिजी को प्रथम पूज्य माना गया है। ऐसे में सबसे पहले राखी उन्हें जरूर बांधें। ऐसा करने से आपको जीवन की सारी बाधाओं से छुटकारा मिल सकता है और समस्याएं भी धीरे-धीरे दूर होती हैं। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता भी कहा गया है क्योंकि, वे अपने भक्तों के जीवन से सारे विघ्न दूर कर देते हैं। ऐसे में आप रक्षाबंधन के दिन गणेशजी को लाल रंग की राखी बांध सकते हैं। इससे जीवन में खुशहाली आती है। भगवान गणेश और भगवान शिव को राखी बांधने के बाद बजरंगबली को भी राखी जरूर बांधनी चाहिए। ऐसा करने का शास्त्रों में खास महत्व बताया गया है। अगर आप रक्षाबंधन पर भगवान हनुमान को राखी बांधते हैं, तो इससे बल और बुद्धि की प्राप्ति होती है। साथ ही, बजरंगबली की विशेष कृपा भी जातक पर बनी रहती है। उन्हें रक्षासूत्र बांधने से मंगल दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और जीवन से नकारात्मकता दूर होती है। ऐसे में रक्षाबंधन पर आप लाल या नारंगी रंग का रक्षासूत्र भगवान हनुमान को बांध सकते हैं। रक्षाबंधन पर भगवान कृष्ण को भी अवश्य राखी बांधनी चाहिए। इसके पीछे की कथा महाभारत से जुड़ी हुई है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक, द्रौपदी ने भगवान कृष्ण को रक्षा सूत्र बांधा था और तभी से राखी बांधने की परंपरा शुरू हुई थी। कृष्णजी ने द्रौपदी को उनकी रक्षा का वचन भी दिया था। महाभारत में चीरहरण के दौरान भगवान कृष्ण ने ही द्रौपदी के मान-सम्मान की रक्षा भी की थी। ऐसे में रक्षाबंधन पर कृष्णजी को राखी बांधने से जीवन के दुखों से निजात मिलती है। साथ ही, भगवान कृष्ण आपके मान-सम्मान की भी रक्षा करते हैं। मान्यता है कि श्रीकृष्ण जी को नीले रंग की राखी बांधनी चाहिए।

रक्षाबंधन मंत्र और कथा, रक्षाबंधन पर इस कथा को पढने से बढता है सौभाग्य, देवी लक्ष्मी की होती है कृपा

रक्षाबंधन का त्यौहार भाई बहनों के त्योहार के नाम से जाना जाता है जो दुनिया में सबसे अनोखा त्यौहार है। इस त्यौहार में बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सलामती की कामना करती हैं। साथ ही इस त्योहार में भगवान को भी भाई मानकर ही उनको रक्षासूत्र बांधा जाता है और इस रक्षा सूत्र को बांधते हुए एक ही मंत्र है जो हर किसी को बोलना होता है चाहे वह बहनें भाई को राखी बांधे या भगवान को राखी बांधे। रक्षाबंधन का यह दिव्य मंत्र कैसा बना और इस मंत्र की शक्ति का क्या रहस्य है आइए जानते हैं रक्षा बंधन मंत्र कथा जिसके पाठ मात्र से होती है देवी लक्ष्मी की कृपा। सतयुग में भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद के पौत्र हुए राजा बलि। यह उदार और शक्तिशाली राजा होने के साथ ही भगवान विष्णु के भी भक्त थे। इन्होंने अपनी धर्मनिष्ठा और शक्ति से तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था। देवलोक भी राजा बलि के अधीन था जिससे देवतागण व्याकुल होकर मनुष्य की भांति भटक रहे थे। ऐसे में सभी देवता भगवान विष्णु की शरण में पहुंचे। भगवान विष्णु के सृष्टि के कल्याण के लिए देवताओं को आश्वासन दिया कि उचित समय आने पर उनकी समस्या का निदान होगा इधर राजा बलि ने त्रिलोक विजयी होने पर एक महायज्ञ का आयोजन किया जिसमें उसने प्राण किया कि जो भी जिसकी कामना होगा उसके अनुसार उसे दान दिया जाएगा। इधर शुक्राचार्यजी गुरु आसन पर विराजमान होकर मंत्रोच्चार कर रहे थे और यज्ञ कुंड मे में समिधा डाली जा रही थी। उधर राजा बलि तेजोमय होकर यज्ञशाला में यज्ञ कर रहे थे। ऐसे में देवी अदिति के गर्भ से भगवान वामन का जन्म हुआ। जन्म के साथ ही वामन भगवान किशोरावस्था को प्राप्त हो गए। लेकिन उनका शरीर लघु ही बना रहा। भगवान वामन ने माता अदिति से आज्ञा लेकर देवकार्य के लिए राज बलि के यज्ञशाला की ओर प्रस्थान किया। राजा बलि यज्ञशाला पहुंचे तो राजा बलि के सेवकों ने भगवान वामन से दान मांगने के लिए कहा। राजा बलि ने कहा कि मुझे वह कुछ भी नहीं चाहिए जो आप दान में दे रहे हैं। मुझे जो कुछ भी चाहिए वह महाराज बलि से से मांगना है। सेवकों के बार-बार कहने पर भी राजा बलि अपनी बातों पर अडिग रहें। यह सूचना राजा बलि तक पहुंची। राजा बलि स्वयं यज्ञ वेदी से उठकर आए और वामन ने से कहा कि हे बटुक आपको क्या चाहिए, जो भी आपको इच्छित हो मांग लीजिए। भगवान वामन मुस्कुराए और कहने लगे कि हे राजन् आप निश्चित ही उदार हैं हैं और दानशील हैं। किंतु मुझे शंका है कि मैं जो कुछ आपसे मांगूंगा आप मुझे नहीं दे पाएंगें। अगर आप संकल्प लेकर मुझसे मांगने के लिए कहेंगे तभी मैं आपसे कुछ मांगूंगा। इस पर राजा बलि ने कमंडल से जल हाथ में लेकर संकल्प लिया कि, मैं संकल्पित हूं कि आप जो मांगेंगे वह इच्छित वस्तु देने के लिए मैं वचनबद्ध रहूंगा। इसके बाद राजा बलि ने कहा कि हे बटुक आप अब निःसंकोच होकर कहिए कि आपकी क्या अभिलाषा है। तब भगवान वामन ने कहा कि हे राजन आप धन्य हैं आप बस मुझे तीन पग भूमि पैर रखने के लिए दे दीजिए। राजा बलि बटुक बने भगवान वामन की बात सुनकर पहले तो खूब हंसे कि बस इतना ही। इसके लिए संकल्प की क्या जरूरत थी। खैर आपको तीन पग भूमि ही चाहिए तो आप ले लीजिए। इसके बाद भगवान ने अपना पग बढ़ाना शुरू किया तो दो पग में ही घरती और आकाश देवलोक सभी को नाप लिया। अब जब भगवान ने राजा बलि से कहा कि अब बताओ कि तीसरा पग कहां रखूं। राजा बलि ने भगवान की स्तुति की और कहा कि प्रभु आपको मैं पहचान गया हूं। मेरे पास अब कुछ नहीं है आपको देने के लिए आप तीसरा पग मेरे सिर पर रख दीजिए।

आर्थिक राशिफल : सौभाग्य योग में शनिदेव कराएंगे मोटी कमाई, व्यापार और नौकरी में पाएंगे दोगुना लाभ

मेष राशि आप कार्यक्षेत्र में दूसरों की मदद करने में ज्यादा समय व्यतीत कर सकते हैं। साथ ही, कुछ ऐसे परिवर्तन भी देखने को मिल सकते हैं, जो आपके पक्ष में होंगे। हालांकि, इसके चलते कुछ विरोधियों का क्रोध बढ़ सकता है। लेकिन आप अपनी मधुर वाणी और व्यवहार से माहौल को खुशनुमा बना देंगे। रात में जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बढ़ सकती है।

वृषभ राशि आपको कारोबार से जुड़ा कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है, जिससे मन खुश रहेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा चलेगा और व्यापार में लाभ कमाने के अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। पारिवारिक मामले में भी दिन खुशनुमा रहने वाला है और शाम के समय किसी ऐसे कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकता है, जिससे आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि कार्यस्थल पर आपको उच्च अधिकारियों के सहयोग से कोई बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति प्राप्त हो सकती है। जिससे मन खुश रहेगा और पिता का आशीर्वाद भी प्राप्त होगा। आप कामकाज में ज्यादा व्यस्त रह सकते है। लेकिन इस दौरान आपको ज्यादा धन खर्च करने से बचना होगा। आपको पत्नी का विशेष सहयोग मिल सकता है और किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मनोबल बढ़ेगा। लेकिन शाम को वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

कर्क राशि आपके राशि का स्वामी उत्तम स्थिति में है। व्यवसाय के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है और आपकी योजनाएं तेजी से आगे बढ़ेंगी। आपको अचानक बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति हो सकती है, जिससे आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और तनाव भी कम होगा। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने की संभावना भी बनी हुई है। लेकिन आपको जल्दबाजी में और भावनाओं में आकर कोई भी फैसला लेने से बचना होगा।

सिंह राशि कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी सफलता प्राप्त होगी। अगर आपने किसी प्रतियोगिता में भाग लिया है तो उस क्षेत्र में भी आप आगे बढ़ सकते हैं और कार्यस्थल पर रुके हुए कार्य भी पूरे होने लगेंगे। लेकिन सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत है। पेट से जुड़ी कोई समस्या परेशान कर सकती है। शाम को परिवार और प्रियजनों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

कन्या राशि आपको कार्यक्षेत्र में समझदारी से सही फैसले लेने से बड़ा लाभ मिल सकता है। रचनात्मक कार्यों की ओर ज्यादा रुचि बढ़ेगी, जिससे मन को सुकून मिलेगा। अगर कार्यस्थल पर विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होती है, तो आपको अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना होगा। शाम के समय आपको अचानक लाभ मिल सकता है और सहयोगियों का साथ मिलेगा। परिवार में चल रही समस्याएं दूर होंगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

तुला राशि शिक्षा और प्रतियोगिता के क्षेत्र में आपको कोई बड़ी उपलब्धि प्राप्त हो सकती है, जिससे मन खुश रहेगा। नौकरी करने वालों के लिए आय के नए स्रोत बनेंगे और आपके प्रभावशाली ढंग से बोलने का तरीका भी आपको विशेष सम्मान दिलाएगा। लेकिन ज्यादा भागदौड़ के चलते आपकी सेहत पर भी इसका असर पड़ सकता है। किसी यात्रा से लाभ मिलने के संकेत हैं और जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृश्चिक राशि आपको कार्यक्षेत्र में लाभ प्राप्त हो सकता है, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन में वृद्धि होगी। साथ ही, समाज और कार्यस्थल पर आपके मान-सम्मान व कीर्ति में वृद्धि होगी। आपको कोई रुका हुआ काम भी पूरा हो सकता है और प्रियजनों से मुलाकात होने से दिल खुश रहेगा। लेकिन विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर आपको वाणी पर संयम रखना होगा।

धनु राशि घर के जरूरत के सामानों पर कुछ धन खर्च हो सकता है। साथ ही, सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर किसी अधीनस्थ कर्मचारी के चलते तनाव बढ़ने की संभावना है। वहीं, पैसों के लेन-देन के समय आपको सावधानी बरतनी होगी, अन्यथा धन कहीं अटक भी सकता है। दिन के समय आपको कोर्ट के किसी काम के चलते बाहर जाना पड़ सकता है। लेकिन अंत में आप सफलता जरूर हासिल करेंगे।

मकर राशि आपको व्यावसायिक क्षेत्र में अपेक्षा के अनुसार लाभ प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धन के आगमन से आर्थिक स्थिति भी पहले से मजबूत हो जाएगा। आप अपने काम में कोई परिवर्तन लाने की योजना भी बना सकते हैं। वहीं, किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी और किसी धार्मिक स्थान पर यात्रा करने के योग भी बन रहे हैं। लेकिन वाहन चलाते समय आपको सावधान रहना होगा।

कुंभ राशि आपका दिन भागदौड़ भरा रह सकता है और खर्चों में भी वृद्धि होने की संभावना है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय आपको सभी चीजों को अच्छी तरह चेक करना होगा। साथ ही, सोच-समझकर कोई भी फैसला लेना बेहतर होगा। जल्दबाजी में लिए निर्णय नुकसान दिला सकते हैं। जीवनसाथी की सेहत में कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

मीन राशि व्यापार के मामले में आपको किसी पास या दूर की यात्रा पर जाना पड़ सकता है। यह लाभदायक हो सकती है। बिजनेस में उन्नति मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। वहीं स्टूडेंट्स को मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा और शाम के समय कहीं घूमने-फिरने जा सकते हैं। आपके वैवाहिक जीवन में खुशहाली आएगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता के आशीर्वाद मिलने से भी सुकून महसूस होगा।

रक्षाबंधन पर लड्डू गोपाल को राखी कैसे बांधें बिल्कुल भी न करें ये गलतियां

इस साल रक्षाबंधन का त्योहार 9 अगस्त 2025, शनिवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। यह दिन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के वचन का प्रतीक होता है। रक्षाबंधन के खास मौके पर बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके सुख, समृद्धि और लंबी उम्र की कामना करती हैं। साथ ही बदले में भाई अपने बहनों को सुरक्षा का वचन देते हैं और उन्हें उपहार देकर अपना प्रेम जाहिर करते हैं। वहीं, इस दिन भगवान को भी राखी बांधने की परंपरा है, खासकर लड्डू गोपाल को। मान्यता है कि इससे देवी-देवताओं का आशीर्वाद मिलता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रक्षाबंधन के दिन भगवान श्री कृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल को राखी बांधने का सही तरीका क्या है? बता दें कि शास्त्रों में लड्डू गोपाल को राखी बांधने के भी कुछ धार्मिक नियम बताए गए हैं। ऐसे में आइए जानते हैं इसकी सही विधि के बारे में राखी बांधने का शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त 9 अगस्त को सुबह 5 बजकर 47 मिनट

से शुरू होकर दोपहर 1 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। रक्षाबंधन के खास मौके पर लड्डू गोपाल को भी राखी बांधी जाती है। शास्त्रों में इसके लिए नियम भी बताए गए हैं। इस दिन बहन को भाई से पहले लड्डू गोपाल को राखी बांधनी चाहिए। इस बात का खास ध्यान रखें कि राखी बांधने से पहले ठाकुर जी को स्नान करवाकर उन्हें नए कपड़े जरूर पहनाएं। अगर आप लड्डू गोपाल के लिए राखी लेने जा रहे हैं तो उनके लिए रेशमी धागों से बनी पीली, गुलाबी या लाल रंग की राखी ही चुनें, क्योंकि ये रंग शुभ माने जाते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि उन्हें नीले या काले रंग की राखी कभी न पहनाएं। लड्डू गोपाल को स्नान कराने के बाद केसर, चंदन, रोली और हल्दी को गंगाजल में मिलाकर शुभ तिलक तैयार करें, फिर इस तिलक को श्रद्धा से लड्डू गोपाल के मस्तक पर लगाएं। रक्षाबंधन के दिन लड्डू गोपाल को घर पर बनी खीर या सूजी का हलवा अर्पित करें। ध्यान रखें कि उन्हें कभी भी बाजार की मिठाइयों का भोग न लगाएं, घर के पवित्र हाथों से बना प्रसाद ही श्रेष्ठ माना जाता है।

दो हजार 471 क्विंटल मूंग की खरीदी पिछले वर्ष से ज्यादा हुई

406 किसानों का किया गया था पंजीयन का कार्य

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

रानीपुर के बहुउद्देशीय कृषि साख समिति के माध्यम से आठ हजार 182 क्विंटल मूंग की खरीदी करने का कार्य सफलतापूर्वक किया गया है। जो पिछले वर्ष की अपेक्षा दो हजार 471 क्विंटल ज्यादा मूंग की खरीदी होना बताया जा रहा है। बहुउद्देशीय कृषि साख समिति के पदाधिकारी ने बताया कि वर्ष 2024 में पाच हजार 711 क्विंटल मूंग की खरीदी की गई थी जबकि इस बार 8 अगस्त को शाम 5 बजे तक आठ हजार 182 क्विंटल मूंग की खरीदी सफलतापूर्वक हो चुकी है। किसानों को 86 रुपए 82 पैसे प्रति किलो का दर शासन के माध्यम से देने का कार्य किया गया है। समिति के पदाधिकारी ने बताया कि 22 जुलाई तक जितने किसानों के माध्यम से मूंग की खरीदी की गई थी उन सभी किसानों के खाते में उनके मूग के भुगतान किए जाने का कार्य सफलतापूर्वक किया जा चुका है। 22 जुलाई के बाद से जो किसानों की मूंग खरीदी करने का कार्य किया गया है उन्ही किसानों के भुगतान का कार्य अभी रूका हुआ है बताया जाता है कि 15 अगस्त के पहले 406 वह सभी किसान जिन्होंने बहुउद्देशीय कृषि शाखा समिति में अपना पंजीयन कराकर मूंग बेचने का कार्य किया है उन सभी किसानों के खाते में उनके मूंग की राशि का भुगतान किया जाएगा। समिति के पदाधिकारी ने बताया कि रानीपुर,जुवाडी, घोड़ाडोगरी में किसानों के माध्यम से मूंग बेचने के लिए पंजीयन करने का कार्य किया गया था और किसानो ने इन तीनों केदो में से कहीं पर भी अपनी मूंग स्वतंत्र पूर्वक बेचकर आर्थिक लाभ लेने का कार्य किया है।

इनका कहना है

''406 किसानों के बीच में 6182 क्विंटल मूंग की खरीदी करने का काम किया गया है, जो पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष बेहतर मूंग की खरीदी हो पाई है।''
-परसराम वर्मा प्रबंधक रानीपुर समिति

कश्मीर से लेकर अंडमान निकोबार दीप तक आदिवासी समाज

जल जंगल जमीन का जुड़ाव ही आदिवासियों का मुख्य उद्देश्य है - नरेंद्र वाडिवा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

आदिवासी समाज के जल जंगल जमीन से जुड़ाव को दर्शाता है कि आदिवासी समाज की एकता संप्रभुता ही उनकी शक्ति और वन संपदा को बचाना उद्देश्य है। यह बात आदिवासी समाज की युवा समाज सेवी नरेंद्र वाडिवा ने विश्व आदिवासी दिवस के एक दिन पूर्व अनौपचारिकता के तौर पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए व्यक्त करने का कार्य किया है। श्री वाडिवा ने बताया कि पूरे विश्व के आदिकाल के इतिहास को दर्शाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं हजारों वर्षों की परंपरा सभ्यता को पीढ़ी दर पीढ़ी सहेजा गया है इसी कारण सभ्यता आज हमारे सामने जीवंत है उन्होंने कहा कि कश्मीर से लेकर अंडमान निकोबार दीप तक आदिवासी समाज इस दिन को उत्साह पूर्वक मनाने का कार्य करती चला आ रहा है। आदिवासी समाज के युवा नेता एवं समाजसेवी नरेंद्र वाडिवा ने समाज के सभी वर्गों युवाओं बुजुर्ग,महिलाओं एवं बच्चों से अपील की है कि इस सामाजिक कार्यक्रम में सभी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर समाज के युवा पीढ़ी को आदिवासी समाज की संस्कृति रीति रिवाज को समझकर उसे और ऊंचाइयों पर पहुंचने का कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने अभी कहा कि पश्चिमी सभ्यता आदिवासी समाज पर धीरे-धीरे हावी हो रही है जिसकी वजह से पुरानी संस्कृति युवा वर्ग भूलते जा रहे हैं ऐसी स्थिति में युवाओं को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को जय बाबा मठारदेव आदिवासी सेवा जौहार समिति के नेतृत्व में सारनी के रामरख्यानी स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम का आयोजन होगा और इस कार्यक्रम में समाज के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में एकत्रित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना हर संभव योगदान दिया जाना चाहिए। जिसे आदिवासी समाज के लोगों को एक नई दिशा मिल सके।

शासन की योजना के तहत 27 बच्चों को वितरण की गई साइकिल

अब आसानी से स्कूल आवागमन विद्यार्थियों का होगा

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

प्रदेश सरकार की मंशा ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासी समाज के बच्चे पढ़ाई के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट स्थान एकत्रित करें,यह बात भारतीय जनता पार्टी के सारनी ग्रामीण क्षेत्र के मंडल अध्यक्ष मोहन मोरे ने व्यक्त करते हुए कहा उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप के अलावा कई तरह की सुविधा दे रही है ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे पढ़ाई के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सके। संसाधन के अभाव में कई बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं इसे देखते हुए शुक्रवार को माध्यमिक शाला जाजलपुर में 27 विद्यार्थियों को साइकिल वितरण करने का कार्य किया गया। इन 27 विद्यार्थियों को साइकिल मिलने पर जाजबोडी,मडकाढाना,कोलगांव, डुलारा,जाजलपुर के विद्यार्थी समय पर अब स्कूल पहुंच सकेंगे।जनपद सदस्य संगीता सुखमण सलाम कहां की प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से कई जानकारी योजनाओं का संचालन कर रही है जिसका लाभ विद्यार्थियों को उठाना चाहिए। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का आभार व्यक्त करने का कार्य स्कूल के प्रधान पाठक केएल उईके ने किया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों के अलावा अभिभावक और सरपंच बिस्सो परसराम धुर्वे,उपसरपंच बादल ईरपचे एवं स्टॉपगन एवं शिक्षा समिति के अध्यक्ष महेश यादव कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

5 सितारा होटल - जहां नुमा पैलेस में कार्यक्रम का हुआ आयोजित

होम लोन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर राजेश रजने को एलआईसी के सीईओ ने किया सम्मानित

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी टी. अधिकारी द्वारा बैतूल जिले के होम लोन सलाहकार राजेश रजने को होम लोन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित करने का कार्य किया गया है।यह सम्मान समारोह का आयोजन भोपाल के पाच सितारा होटल जहांनुमा पैलेस में 7 अगस्त को आयोजित किया गया,जहाँ पूरे मध्य भारत से चयनित श्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ताओं को आमंत्रित किया गया था।इस गरिमामय अवसर पर एलआईसी एचएफएल के वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से रीजनल मैनेजर प्रजोड विश्वनाथन,डिविजनल रिलेशनशिप मैनेजर विकास अवस्थी एरिया मैनेजर नितिन शुक्ला उपस्थित रहे। बताया जाता है कि राजेश रजने ने बैतूल जिले में सैकड़ों परिवारों को प्रभावी होम लोन सलाह और सेवा प्रदान कर उनके सपनों का घर साकार करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली 1.80 लाख रुपये की सब्सिडी,7.50 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर और शुन्य प्रतिशत प्रोसेसिंग फीस जैसी योजनाओं को आम जनमानस तक पहुँचाने का कार्य समर्पण के रूप में किया है। इस अवसर पर राजेश रजने ने कहा कि यह सम्मान मेरे लिए नहीं बल्कि मेरे उपभोक्ता और पूरे बैतूल जिले के लिए है। उनका विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। मैं भविष्य में और अधिक लोगों तक होम लोन की सहज और सरल सेवाएं पहुँचाने के लिए कर करूंगा ताकि गरीब और मध्यवर्गी परिवार अपना आशियाना बना सके।

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आज होगा अनेको कार्यक्रम

हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग कार्यक्रम में होंगे शामिल

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बड़े धूमधाम के साथ आज विश्व आदिवासी दिवस मनाने का कार्य किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन आदिवासी सेवा समिति के तत्वाधान में आयोजित होगा समिति के अध्यक्ष उजल मावसे सचिव मुल्लाजी नारे नहीं जानकारी देते हुए बताया कि आदिवासी समुदायों के अधिकारों,संस्कृति और विरासत को मान्यता देना और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना ही समिति का मूल उद्देश्य है उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को 11 रानीपुर के म्यूजियम में आदिवासी समाज के अनुरूप पूजा आराधना करने के बाद वाहन रैली निकालने का कार्य किया जाएगा और इस भव्य रैली में रानीपुर,आमडाना,अंनकवाड़ी, चिखली,पाजर,खमालपुर,नादू खोखरा,रैयतवाड़ी,मेहकार रतनपुर,शोभापुर सहित सैकड़ो से अधिक ग्रामीण युवक युवतिया इसमें शामिल होंगे। आदिवासी सेवा समिति के पदाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 अगस्त को व पूर्व में हुई बैठक में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति बनी सर्वप्रथम रानीपुर के पुलिस म्यूजियम में पूजा अर्चना एवं सुमरनी पश्चात भव्य रैली का आयोजन किया गया है रैली पूरे रानीपुर सहित आसपास के ग्रामों में निकाली जाएगी उसके पश्चात सिंचाई विभाग के पीछे पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया किया जाएगा।पश्चात आदिवासी समाज के मेधावी विद्यार्थी जिन्होंने स्कूलों में अच्छे अंकों से परीक्षाएं उत्तीर्ण की है उनका सम्मान एवं पुरस्कार वितरण करने का कार्य समिति के माध्यम से किया जाएगा।स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का भी सम्मान करने का कार्यक्रम का आयोजन समिति के कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाएगा समाज के कैलाश मरकाम ने बताया कि कार्यक्रम में लगभग पांच हजार से ज्यादा आदिवासी समाज के कार्यकर्ता पदाधिकारी शामिल होंगे।

कार्यालय प्राचार्य, वीर स्वतंत्रता संग्राम सैनानी, श्री सरदार विष्णु सिंह उईके, शासकीय महाविद्यालय, सारनी
(NAAC) द्वारा "B" Grade प्रदत्त संस्थान
Add :- Govt. College Sarni (Bagdona) Dist- Betul (M.P) Pincode - 460449 (Office)- 07146-251144
Email ID-hegcsarbet@mp.gov.in, Mobile No. 8462082409

क्रमांक 456 / स्था. / 2025 सारनी, दिनाँक 07.08.2025

विज्ञापन का प्रारूप

महाविद्यालय में जनभागीदारी के अंतर्गत रात्रिकालीन सुरक्षा हेतु सुरक्षा गार्ड के पद हेतु सत्र 2025-26 के लिये विज्ञापन जारी किया जा रहा है सुरक्षा गार्ड के पद पर भर्ती करने हेतु आवेदन पत्र महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के सचिव की ओर से आमंत्रित किये जाते है ।

क्र.	पदनाम	पद संख्या	रात्रिकालीन कार्य की अवधि
1	सुरक्षा गार्ड	01	रात्रि 08 बजे से प्रातः 08 बजे तक

टीपः-
1 सचिव / प्राचार्य को विज्ञापित आमंत्रण पत्र जारी करने का अधिकार होगा।
2 सुरक्षा गार्ड का चयन सुरक्षा मानको के आधार पर होगा।
3 अनुभवी व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जावेगी ।
4 आवेदन पत्र प्राचार्य / सचिव जनभागीदारी समिति शासकीय महाविद्यालय सारनी के नाम प्रेषित किया जावेगा जिसमें समस्त आवश्यक दस्तावेजों की स्वप्रमाणित प्रति संलग्न होंगे।
5 लिफाफे पर पदनाम स्पष्ट रूप से लिखें (लिफाफे पर जानकारी स्पष्ट न होने पर आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जावेगा ।)
6 विज्ञापन का कदापि यह अर्थ नहीं है कि आवेदक को आमंत्रण देना आवश्यक है।
7 आवेदन पत्र डाक या स्वयं कार्यालयीन समय में महाविद्यालय में उपस्थित होकर विज्ञापन जारी होने से 10 दिवस तक जमा कर सकते हैं। उक्त दिनांक के पश्चात् प्राप्त आवेदन मान्य नहीं किये जायेंगे ।
8 डाक / कोरियर से विलम्ब के लिए महाविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
9 यह पद पूर्णतः अस्थाई एवं मध्यप्रदेश शासकीय सेवा का भाग न होकर जनभागीदारी द्वारा निर्धारित मानदेय के आधार पर है। कार्य संतोषजनक नहीं पाये जाने पर किसी भी समय बिना पूर्व सूचना के हटाने का अधिकार प्राचार्य / सचिव जनभागीदारी के पास होगा।
10 आवेदन के साथ मेडिकल ऑफिसर द्वारा जारी प्रमाण पत्र जिसमें स्वयं आवेदक की ऊँचाई, कद एवं वजन की स्पष्ट जानकारी होना अनिवार्य है संलग्न करें। (इसके अभाव में आवेदन निरस्त हो जायेगा)
11 स्वयं का वर्तमान में बना हुआ सक्षम अधिकारी के द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र संलग्न करें। उपस्थिति के समय शपथ पत्र देना होगा जिसमें उल्लेख होगा कि आवेदक अपने कर्तव्य के दौरान किसी भी तरह के मादक पदार्थों का सेवन नहीं करेगा, एवं राजनीतिक गतिविधि में शामिल नहीं होगा तथा अपनेकर्तव्य का पालन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से करेगा ।
12 महाविद्यालय प्राचार्य / सचिव को जनभागीदारी समिति की चयन प्रक्रिया निरस्त करने अथवा संशोधन करने का वैधानिक अधिकार होगा।
13 यह विज्ञापन विभागीय वेबसाइट पर प्रकाशित, लोकल न्यूज पेपर पर प्रकाशित एवं महाविद्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा है।

(श्री प्रदीप पद्राम)
प्र. प्राचार्य
वीर स्वतंत्रता संग्राम सैनानी,
सरदार विष्णु सिंह उईके, शास.महा. सारनी

अज्ञात महिला के शव मिलने से हड़कंप महिला की नहीं हो पाई पहचान

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

रानीपुर थाना के अंतर्गत आने वाले सिहारी के जंगल में एक 30 से 35 वर्षीय महिला का शव मिलने से हड़काम का माहौल उत्पन्न हो गया है। रानीपुर पुलिस ने बताया कि मृतक महिला का जो शव मिला है वह तीन से चार दिन पुराना है और उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है जिसे देखते हुए उनके माध्यम से सभी थाने क्षेत्र को सूचित किया गया है कि उनके थाने में जितनी भी गुमशुदा की शिकायत दर्ज हुई है उसका हुलिया मृतक महिला से मिलता जुलता हो तो वह रानीपुर पुलिस को सूचना दे। रानीपुर थाना प्रभारी अवधेश तिवारी ने घटना की गंभीरता को देखते हुए बैतूल से फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी टीम को बुलाकर मृतक महिला के शव की बरकी से जांच करवाने का कार्य किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित।
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949